Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 238 | सोमवार, 07 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

बारिश के बीच भरभराकर ढही 5 मंजिला इमारत, 3 की मौत

सत्य निकेतन में बेसमेंट में चल रहा था मरम्मत का काम, पांच की हालत गंभीर: मलबे में फंसे लोगों की तलाश जारी

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली के सत्य निकेतन इलाके में रविवार दोपहर एक पांच मंजिला इमारत अचानक ढह गई। इस इमारत का इस्तेमाल छात्रों के PG के रूप में किया जा रहा था। हादसे में अब तक तीन छात्रों की मौत हो चुकी है, जबकि पांच लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है।

पुलिस और बचाव एजेंसियों के मुताबिक कई लोगों के अब भी मलबे में फंसे होने की आशंका है। हादसे के समय इमारत के बेसमेंट में मरम्मत का काम चल रहा था। स्थानीय लोगों ने लगातार बारिश के कारण बेसमेंट में पानी जमा होने का भी दावा किया है।

बेसमेंट में चल रहा था मरम्मत का काम

पुलिस के मुताबिक इमारत में एक बेसमेंट और उसके ऊपर पांच मंजिलें थीं। घटना के समय बेसमेंट में मरम्मत का काम किया जा रहा था। स्थानीय लोगों का दावा है कि पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में हो रही बारिश की वजह से बेसमेंट में पानी जमा होने लगा था। कुछ स्थानीय निवासियों ने नींव कमजोर होने की बात भी कही है।

50 साल पुरानी बताई गई इमारत

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी के मुताबिक यह इमारत करीब 50 साल पुरानी थी और Hostel Days नाम से PG के तौर पर इस्तेमाल हो रही थी। स्थानीय निवासी राजन छेत्री के अनुसार इमारत में लगभग 15 कमरे थे और हर कमरे में दो से तीन छात्र रहते थे। उन्होंने बताया कि यहां रहने वाले कई छात्र दिल्ली विश्वविद्यालय के आसपास के कॉलेजों में पढ़ते थे और एक बेड के लिए करीब 12 हजार रुपये किराया देते थे।

मलबे से 8 लोगों को निकाला गया

पुलिस के अनुसार अब तक आठ लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया है। इनमें दो लोगों को अस्पताल में मृत अवस्था में लाया गया, जबकि एक अन्य की इलाज के दौरान मौत हो गई। पांच घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। NDRF की दो टीमें, जिनमें करीब 70 जवान शामिल हैं, बचाव अभियान में लगी हैं। मलबे में फंसे लोगों की तलाश के लिए डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली जा रही है।

फंसे लोगों तक पहुंचाई गई ऑक्सीजन

NDRF अधिकारियों के मुताबिक मलबे में फंसे लोगों को सांस लेने में मदद देने के लिए ऑक्सीजन सिलेंडर नीचे पहुंचाए गए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कुछ फंसे लोग फोन के जरिए बाहर मौजूद लोगों और बचाव टीमों से संपर्क भी कर रहे थे। संकरी गलियों और आसपास घनी इमारतों की वजह से बचाव अभियान में मुश्किलें आ रही हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी कर रहे रेस्क्यू की निगरानी

नई दिल्ली रेंज के संयुक्त पुलिस आयुक्त, दक्षिण-पश्चिम जिले के DCP और अतिरिक्त DCP मौके पर बचाव अभियान की निगरानी कर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक Hostel DOys नाम की यह इमारत PG के रूप में इस्तेमाल हो रही थी और इसका मालिक गुरुग्राम में रहता है।

बारिश और बेसमेंट में पानी भरने का दावा

स्थानीय लोगों के मुताबिक शुक्रवार से दिल्ली में लगातार बारिश हो रही थी। उनका दावा है कि बारिश का पानी बेसमेंट में जमा हो रहा था और उसी दौरान वहां मरम्मत का काम भी चल रहा था।

हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि इमारत बारिश, बेसमेंट में काम, कमजोर ढांचे या किसी अन्य कारण से गिरी। हादसे की सही वजह तकनीकी जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगी।

मालिक की तलाश में पुलिस की कई टीमें

पुलिस के मुताबिक इमारत का मालिक गुरुग्राम में रहता है। उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है और उसे तलाशने के लिए कई पुलिस टीमें लगाई गई हैं।

अमित शाह ने जताया दुख, अधिकारियों से ली जानकारी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हादसे में लोगों की मौत पर दुख जताया। उन्होंने मुख्यमंत्री, दिल्ली पुलिस आयुक्त और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के महानिदेशक से बात कर हालात की जानकारी ली। शाह ने कहा कि घायलों को हर जरूरी चिकित्सा सहायता दी जा रही है और उन्होंने सभी घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने भी मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से बात की और केंद्र की ओर से हर संभव मदद का भरोसा दिया।

घटना के बाद मौके पर पहुंची उट रेखा गुप्ता, LG तरनजीत सिंह संधू और पुलिस आयुक्त

हादसे के बाद दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, पुलिस आयुक्त अनुराग कुमार और सांसद बांसुरी स्वराज घटनास्थल पर पहुंचे। अधिकारियों ने मौके पर चल रहे राहत और बचाव कार्य का जायजा लिया। इसके बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता AIIMS के ट्रॉमा सेंटर भी गईं। वहां उन्होंने डॉक्टरों और स्वास्थ्य अधिकारियों से बात की। सीएम गुप्ता एम्स सत्य निकेतन में गिरी इमारत के मलबे से बचाए गए और इलाज के लिए लाए गए लोगों से मिलने पहुंची थीं।

झारखंड के मंत्री सुदिव्य कुमार का निधन, हेमंत सोरेन के रहे प्रमुख संकटमोचक

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

रांची। छह सितंबर झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के भरोसेमंद सहयोगी और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के अहम सियासी संकटमोचकों में शामिल रहे सुदिव्य कुमार ने सबसे चुनौतीपूर्ण क्षणों में पार्टी को उबारने में अहम भूमिका निभाई थी। इसमें सोरेन की गिरफ्तारी से लेकर चुनाव अभियान, सीट बंटवारे के लिए बातचीत और हालिया छात्र आंदोलन तक के दौर शामिल हैं। गिरिडीह से दो बार के विधायक और राज्य मंत्री रहे 56 वर्षीय कुमार के आकस्मिक निधन से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने ऐसे नेता को खो दिया है, जिसका महत्व उनके पास रहे मंत्री पद से कहीं अधिक था।

कुमार तकनीकी एवं उच्च शिक्षा, शहरी विकास, पर्यटन तथा खेल एवं युवा मामलों के विभागों के प्रभारी थे। लेकिन उनका राजनीतिक महत्व इस बात में था कि जब भी पार्टी मुश्किल परिस्थितियों का सामना करती थी, वह आगे बढ़कर मोर्चा संभाल लेते थे। सोरेन के लिए कुमार बड़े भाई जैसे थे, जो मुश्किल वक्त में उनके साथ खड़े रहे। वह मुख्यमंत्री के राजनीतिक रूप से भरोसेमंद लोगों में शामिल हो गए थे। जनवरी 2024 में कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा सोरेन की गिरफ्तारी के बाद उथल-पुथल भरे दौर में कुमार की भूमिका सबसे अधिक दिखाई दी। झामुमो नेतृत्व के सामने जब सबसे बड़ी राजनीतिक चुनौतियों में से एक खड़ी थी, तब कुमार उन नेताओं में शामिल थे जिन्होंने पार्टी की संगठनात्मक और राजनीतिक मशीनरी को सुचारू रूप से चलाए रखने में मदद की और सोरेन के साथ मजबूती से खड़े रहे। इसके तुरंत बाद उन्हें एक और राजनीतिक जिम्मेदारी सौंपी गई। उन्हें गांडेय विधानसभा उपचुनाव में झामुमो के चुनाव अभियान की कमान सौंपी गई। यह चुनाव कल्पना सोरेन का पहला चुनाव था। कुमार ने पार्टी की मुख्य चुनाव अभियान समिति की अगुवाई की और उनके चुनाव अभियान की रणनीति तैयार करने में केंद्रीय भूमिका निभाई। जून 2024 में कल्पना सोरेन की जीत से झामुमो को महत्वपूर्ण राजनीतिक बढ़त मिली और मुख्यमंत्री की पत्नी को सोरेन खेमे के एक नए चुनावी चेहरे के रूप में स्थापित किया। वर्ष 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले राजद के साथ सीट बंटवारे को लेकर हुई बातचीत में कुमार झामुमो के प्रमुख वाताकारों में शामिल थे। उनकी भूमिका चुनावों तक सीमित नहीं थी। वह झामुमो के राजनीतिक संगठन और सरकार के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी थे और उन्हें चुनावी रणनीति, राजनीतिक बातचीत तथा अन्य संवेदनशील जिम्मेदारियां सौंपी जाती थीं। कठिन परिस्थितियों से निपटने की उनकी क्षमता हालिया छात्र आंदोलन के दौरान भी देखने को मिली। यह आंदोलन परीक्षा में कथित अनियमितताओं को लेकर नौकरी पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों ने किया था। सोरेन द्वारा गठित मंत्रिमंडलीय समिति की अध्यक्षता कुमार ने की और गतिरोध खत्म करने के प्रयास में उन्होंने प्रदर्शनकारी छात्रों के साथ कई दौर की बातचीत की।

बाढ़ प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता मिले, फसल और मकान क्षति का तत्काल सर्वे कराकर मुआवजा दें : मुख्यमंत्री योगी

अतिवृष्टि प्रभावित चित्रकूट धाम से लौटकर मुख्यमंत्री ने की बड़ी बैठक, अधिकारियों को दिए दिशा-निर्देश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। अतिवृष्टि से प्रभावित जनपद चित्रकूट का भ्रमण कर लौटे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर राहत एवं पुनर्वास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि प्रभावित परिवारों को हर संभव सहायता उपलब्ध कराई जाए और फसल तथा मकान की क्षति का तत्काल सर्वे कराकर पात्र लोगों को नियमानुसार सहायता दी जाए। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर उसे हटाने की कार्रवाई कराने, नदी पर बने फुट ओवर ब्रिज का सेफ्टी ऑडिट कराने तथा मंदाकिनी में सीवर और नालों का पानी किसी भी दशा में न जाने देने के लिए ठोस कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने चित्रकूट धाम के व्यापारियों और मठ-मंदिरों को हुए नुकसान का आकलन कर सहायता उपलब्ध कराने के साथ ही भविष्य में ऐसी स्थिति से होने वाले नुकसान को कम करने के लिए दीर्घकालिक कार्ययोजना तैयार करने को कहा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से प्रभावित किसानों की फसल क्षति का सर्वे शीघ्र पूरा कराया जाए और पात्र किसानों को नियमानुसार मुआवजा उपलब्ध कराया जाए। पूर्ण रूप से क्षतिग्रस्त मकानों के परिवारों को मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाया जाए। आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत के लिए भी प्रभावित परिवारों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट धाम के व्यापारियों को हुए नुकसान का आकलन कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रभावित व्यापारियों को सहायता और मुआवजा उपलब्ध कराने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। मठ-मंदिरों को हुई क्षति का भी सर्वे कराया जाए और उनकी मरम्मत का कार्य शीघ्र शुरू कराया जाए। इन धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों के संरक्षण में शासन आवश्यक सहयोग करेगा। राहत कार्यों की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि शेष राहत किट का वितरण 48 घंटे के भीतर प्रभावित लोगों के बीच सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि राहत सामग्री पहुंचाने में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। प्रशासन प्रभावित परिवारों के बीच लगातार मौजूद रहकर उनकी जरूरत के अनुसार सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग की टीमें बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लगातार उपलब्ध रहें और प्रभावित लोगों को आवश्यक चिकित्सा सहायता समय पर मिले। उन्होंने कहा कि बाढ़ का पानी उतरने के बाद संक्रामक बीमारियों के फैलने की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए प्रभावित क्षेत्रों में साफ-सफाई, शुद्ध पेयजल और स्वास्थ्य संबंधी जरूरी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्य चिकित्सा अधिकारी के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखें और किसी भी बीमारी के लक्षण सामने आने पर तत्काल उपचार और आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने मंदाकिनी नदी के कैचमेंट एरिया में अतिक्रमण के संबंध में शासन के अधिकारियों को जनपदीय अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों के साथ संवाद करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कैचमेंट एरिया में हुए अतिक्रमण का चिन्हांकन कर नियमानुसार उसे हटाने की कार्रवाई की जाए। साथ ही, घाट के विस्तारीकरण के लिए आवश्यक कार्ययोजना तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पवित्र मंदाकिनी नदी में किसी भी दशा में सीवर या नालों का पानी नहीं जाना चाहिए। इसके लिए पर्यटन, सिंचाई और नगर विकास विभाग आपसी समन्वय से ठोस कार्ययोजना तैयार कर उसे लागू करें। उन्होंने कहा कि मंदाकिनी चित्रकूट की आस्था से जुड़ी है।

पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर एचएफएल पार, 11 जिलों में 19 लाख लोग प्रभावित

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

पटना। छह सितंबर बिहार के 11 जिलों में 19 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर बाढ़ के महत्वपूर्ण निशान से ऊपर जाने के बाद अधिकारियों ने निचले इलाकों के लिए चेतावनी जारी की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि भारी बारिश के बाद पटना के गांधी घाट पर गंगा का जलस्तर 'बाढ़ के उच्चतम स्तर' (एचएफएल) से ऊपर चला गया है, इसलिए अगले एक से तीन दिनों में पटना जिले के अंतर्गत हाथीदह और उसके बाद के रेलवे स्टेशन के प्रभावित होने की आशंका है। उन्होंने बताया कि राज्य में कई नदियों का जलस्तर बढ़ने से पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार और अररिया सहित 11 जिलों के 330 ग्राम पंचायतों में लगभग 19.57 लाख लोग प्रभावित हुए हैं। जल संसाधन विभाग (डब्ल्यूआरडी) की ओर से जारी नवीनतम परामर्श के मुताबिक, हाथीदह में गंगा का जलस्तर अपने पिछले एचएफएल को पार कर सकता है। इसके मद्देनजर बेगूसराय,

लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार जिलों में सतर्कता बढ़ा दी गई है। परामर्श में कहा गया, 'अधिकारियों और जमीनी स्तर के कर्मचारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सतर्क रहें और जरूरत के हिसाब से सावधानी बरतते हुए जल-स्तर, तटबंधों, संवेदनशील जगहों और निचले इलाकों पर नियमित नजर रखें।' इसमें कहा गया, 'अभियंताओं से बाढ़ से निपटने से संबंधित संसाधन और मशीनरी तैयार रखने को कहा गया है। प्रभावित इलाकों के लोगों को सलाह दी गई है कि वे नदी के पास न जाएं और सतर्क रहें।' स्थानीय प्रशासन से कहा गया है कि वे नावों के संचालन पर नजर रखें, क्षमता से अधिक लोगों को नावों पर सवार नहीं होने दें और लोगों को हालात के बारे में जानकारी देते रहें। डब्ल्यूआरडी के मुताबिक, पटना के गांधी घाट पर रविवार सुबह छह बजे गंगा का जलस्तर 50.57 मीटर था, जो 21 अगस्त 2016 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 50.52 मीटर से 0.05 मीटर अधिक है। बयान के मुताबिक, 'पटना जिले के पंडारक में सुबह छह बजे गंगा नदी का जलस्तर 43.92 मीटर था, जो 16 अगस्त 2021 को दर्ज किए गए पिछले उच्चतम जलस्तर 43.73 मीटर से 0.19 मीटर अधिक है।' अधिकारियों ने बताया कि राज्य में गंडक नदी डुमरियाघाट और हाजीपुर में, कोसी नदी बलतारा और कुरसेला में, बूढ़ी गंडक नदी खगड़िया में, गंगा नदी हाथीदह, भागलपुर, कहलगांव, बक्सर व मुंगेर में, पुनपुन नदी श्रीपालपुर में, घाघरा नदी दरौली में और बागमती नदी बेनीबाद में खतरे के निशान के ऊपर बह रही है।

पीएम मोदी के 'नाराज फूफा' बयान पर भड़की कांग्रेस

मल्लिकार्जुन खड़गे बोले- युवा भी लेकर खड़े हैं रिपोर्ट कार्ड

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नाराज फूफा' वाले बयान को लेकर सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस ने पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष के लिए नए-नए विशेषण देना उनकी राजनीति का हिस्सा बन गया है। कांग्रेस का कहना है कि प्रधानमंत्री ऐसे बयानों के जरिए सरकार की नाकामियों से ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रफ्फड़ के शताब्दी समारोह में पीएम मोदी के भाषण को लेकर सवाल उठाए। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि रफ्फड़ का कार्यक्रम देश के युवाओं, शिक्षा और उनके भविष्य पर चर्चा करने का मौका था, लेकिन प्रधानमंत्री का भाषण एक बार फिर राजनीतिक अभियान में बदल गया। खरगे ने आरोप लगाया कि युवाओं के सवालों का जवाब देने के बजाय प्रधानमंत्री ने विपक्ष पर निशाना साधने के लिए नए राजनीतिक विशेषणों का इस्तेमाल किया।

संपादक की कलम

अंतर्विरोधों से घिरा 'वचन भागवत'

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सरसंघचालक मोहन भागवत ने पिछले दिनों अमेरिका,कनाडा व ब्रिटेन की 17 दिवसीय यात्रा की। इस त्रिदेशीय यात्रा में जहाँ एक तरफ बड़ी संख्या में स्थानीय हिंदू और प्रवासी भारतीय संगठनों द्वारा उनका स्वागत किया गया वहीं दूसरी तरफ कई संगठनों द्वारा उनका कड़ा विरोध भी किया गया। विरोध करने वाले समूहों व प्रदर्शनकारी संगठनों का आरोप है कि आरएसएस एक अति-दक्षिणपंथी और बहुसंख्यकवादी विचारधारा को बढ़ावा देने वाला संगठन है, जो भारत के धर्मनिरपेक्ष लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। कई सिविल सोसाइटी समूहों ने संघ के ढांचे को ₹तानाशाही और सैन्यवादी₹ करार देते हुए इसके वैश्विक प्रभाव पर चिंता जताई। मोहन भागवत का विरोध मुख्य रूप से मानवाधिकार संगठनों, प्रवासी भारतीय अल्पसंख्यक समूहों और कुछ विदेशी राजनेताओं द्वारा किया गया। 'हिंदूज फॉर 'मन राइट्स', 'इंडियन अमेरिकन मुस्लिम काउंसिल' साउथ एशिया सॉलिडेरिटी ग्रुप और कई अन्य मानवाधिकार संगठनों ने इन विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व किया। इसके अतिरिक्त न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी, अमेरिकी सांसद रशीदा तालेब व जिम मैकगवर्न, और ब्रिटिश लेबर पार्टी की सांसद नादिया व्हिटोम ने सार्वजनिक रूप से इस यात्रा का विरोध व आलोचना की। इस विरोध के बीच संघ समर्थकों का कहना है कि मोहन भागवत की यात्रा का उद्देश्य वैश्विक कल्याण, सामाजिक सद्भाव और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' के संदेशों का प्रसार करना है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में बीबीसी द्वारा आयोजित 'फेथ लीडर्स कॉन्फ्रेंस' के दौरान यह कहा कि ₹जो हिंदू यह मानता है कि मुसलमानों को भारत से बाहर निकाल देना चाहिए, वह हिंदू नहीं रह सकता।₹उन्होंने कहा कि 'मुसलमानों को देश से बाहर करने की सोच रखना पूरी तरह से हिंदुत्व के खिलाफ है'। उन्होंने कहा कि' हिंदू होने का मतलब सभी धार्मिक रास्तों को एक ही लक्ष्य की ओर जाने वाला मानना और हर इंसान की गरिमा को स्वीकार करना है'। उन्होंने 'वसुधैव कुटुम्बकम' और ₹ डल्ली ६ङ्ग१ 'ि-डल्ली ल्ध४ेंल्ल३८₹ का नारा देते हुए कहा कि विविधता से हमारी साझा पहचान को कोई खतरा नहीं होना चाहिए। परन्तु भारत में मोहन भागवत के इस बयान के बाद राजनीतिक बहस छिड़ गई है। जहाँ भाजपा ने इसे हिंदू धर्म की सहिष्णुता और वास्तविक संदेश के रूप में सराहा, वहीं कांग्रेस, और अन्य विपक्षी दलों ने सवाल उठाया कि आरएसएस प्रमुख ऐसा ही कड़ा संदेश भारत में अपने कार्यकताओं को क्यों नहीं देते। एक सवाल यह भी है कि आखिर भागवत को अमेरिका में जाकर यह बात कहनी ही क्यों पड़ी ? दरअसल आलोचकों द्वारा भागवत के बयान को मूल रूप से दो सन्दर्भों में देखा जा रहा है। पहला संघ के मुस्लिम विरोधी वह सिद्धांत जो और किसी के द्वारा नहीं बल्कि स्वयं आरएसएस के दूसरे सरसंघचालक एम. एस. गोलवलकर (गुरुजी) द्वारा लिखित किताब 'बंच ऑफ थॉट्स' में मुसलमानों,ईसाईयों और कम्युनिस्टों को लेकर व्यक्त किये गए हैं। उन्होंने इस पुस्तक के एक विशेष अध्याय, जिसका शीर्षक ₹आंतरिक खतरे₹ है, में मुसलमानों को लेकर गोलवलकर ने लिखा कि भारत में रहने वाले कई मुसलमानों की निष्ठा भारत के बजाय उन मुस्लिम देशों के प्रति अधिक है जिन्हें वे पवित्र मानते हैं। उन्होंने दावा किया कि देश के कई हिस्सों में मुस्लिम आबादी भारत विरोधी और पाकिस्तान समर्थक गतिविधियों में शामिल रहती है। उनका मानना था कि मुस्लिम समुदाय खुद को भारत की मुख्य सांस्कृतिक और राष्ट्रीय धारा से अलग रखता है, जो देश की अखंडता के लिए चुनौती है। उन्होंने इतिहास का हवाला देते हुए कहा कि मुस्लिम आक्रमणकारियों ने भारत की संस्कृति और मंदिरों को नष्ट किया, और वह मानसिकता आज भी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

ललित शर्मा
संपादक

ईश्वर-अल्लाह की अदालत में नहीं बच पाओगे

किशन भावनानीं

कविता

पुलिस को रिश्वत देकर कानून से बच जाओगे,
अदालत में तर्कों से अपना पक्ष सजाओगे,
दुनियाँ की अदालत में बेगुनाह कहलाओगे,
ईश्वर-अल्लाह की अदालत में कहाँ बच पाओगे।

दौलत के सहारे हर दरवाजा खुलवा लोगे,
झूठे तर्कों से सच का चेहरा भी ढक दोगे,
दुनियाँ के सामने चाहे पाक-साफ बन जाओगे,
ईश्वर-अल्लाह के आगे क्या सच छुपा पाओगे?

कागजों की चाल से मुकदमा जीत भी जाओगे,
गवाहों को मोड़कर इल्जाम से छूट भी जाओगे,
कानून की पकड़ से खुद को आजाद कर जाओगे,
ईश्वर-अल्लाह के हिसाब से कैसे निकल पाओगे?

यहाँ रिश्वत चल सकती है,वहाँ नहीं चल पाएगी,
यहाँ चालाकी चल सकती है,वहाँ नहीं चल पाएगी,
यहाँ झूठ की परतें सच को कुछ पल ढक पाएँगी,
ईश्वर-अल्लाह की नजर से मगर कहाँ छुप पाएँगी?

दुनियाँ की अदालत में फैसला चाहे हक में आए,
झूठ का परदा चाहे बरसों तक सच को छिपाए,
किशन अंतिम अदालत में हर कर्म गवाही बन जाए,
ईश्वर-अल्लाह से कोई न बच पाए,कोई न बच पाए।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे

प्रो. आरके जैन
लेखक

रास्ते अब मंजिल तक नहीं, जीवन, स्वास्थ्य और प्रकृति से भी जोड़ेंगे। सड़कें किसी देश की केवल राहें नहीं, उसके विकास की दिशा भी बताती हैं। भारत में ये अब शहरों और बाजारों को जोड़ने वाले रास्ते भर नहीं रहीं, बल्कि बदलती विकास-दृष्टि की पहचान बन रही हैं। एनएचएआई की 'आरोग्य वन' पहल के तहत राजमार्गों के दोनों ओर नीम, आंवला, जामुन, इमली जैसी औषधीय वृक्ष प्रजातियाँ (और उपयुक्त स्थानों पर तुलसी, अश्वगंधा जैसी वनस्पतियाँ) कतारों में दिखें, तो यह केवल सड़क-सौंदर्य नहीं होगा। यह उस समझ का संकेत होगा कि तेज रफ्तार विकास को भी अंततः हवा, पानी और हरियाली की जरूरत है। सड़क किनारे खड़ा एक छोटा पौधा इसलिए मामूली नहीं—वह उस सोच का प्रतीक है, जिसमें विकास प्रकृति को पीछे छोड़कर नहीं, साथ लेकर आगे बढ़ना चाहता है।

इसे सिर्फ हरियाली की सरकारी कवायद मानना, इसके भीतर छिपे बड़े अर्थ को अनदेखा करना होगा। सड़क किनारे औषधीय पौधों की कतारें एक ऐसी मौन स्वास्थ्य-पट्टी बन सकती हैं, जो बिना कुछ कहे यात्री के मन तक पहुंचे। लंबी यात्रा में धूल, धुआं, शोर और तनाव के बीच तुलसी की सुगंध, नीम की छाया या आंवला-जामुन की हरियाली मन को ठहरने का अहसास दे सकती है। साथ ही, ये पौधे प्रकृति के उस पुराने ज्ञान की याद दिलाएंगे, जिसे आधुनिक जीवन सुविधा की दौड़ में पीछे छोड़ आया है। एक ओर वे कार्बन सोखकर हवा को बेहतर बनाएंगे, दूसरी ओर आयुर्वेद की परंपरा को आधुनिक राजमार्गों से जोड़ेंगे। सड़क और स्वास्थ्य का यह संगम विकास को थोड़ा और मानवीय बना सकता है।

किसी योजना की उम्र उसके उद्घाटन से नहीं, उसके निभाए जाने से तय होती है। 'आरोग्य वन' जैसी पहल तभी सचमुच जीवित रहेगी, जब सरकारी फाइलों से निकलकर स्थानीय समाज की जिम्मेदारी बने। राजमार्ग प्राधिकरण अकेले इसे नहीं संभाल सकता; स्थानीय समुदाय, स्वयंसेवी संस्थाएं, आयुष व वन विभाग और प्रशासन को साथ आना होगा। किसानों के लिए औषधीय पौधों की खेती अतिरिक्त आमदनी का द्वार खोल सकती है। स्कूल-कॉलेज के विद्यार्थियों को इनके संरक्षण और

पहचान से जोड़ने पर पर्यावरण शिक्षा किताबों से निकलकर मिट्टी तक पहुंचेगी। तब पौधा किसी सरकारी योजना का आंकड़ा नहीं, गांव, किसान, विद्यार्थी और यात्री—सबकी साझा जिम्मेदारी बनेगा।

बड़ी योजनाएं जमीन पर उतरने वाले कदमों से आकार लेती हैं। एनएचएआई की मौजूदा योजना में पहले चरण में टोल प्लाजा और विश्राम स्थलों के पास चुनिंदा भूखंडों पर रोपण हो रहा है। राष्ट्रीय औषधीय पौधा बोर्ड (एनएमपीबी) और आयुष मंत्रालय के अनुभव से हरियाली के साथ औषधीय संसाधन भी तैयार किए जाएं। मॉडल जोन और सेंसर-आधारित सिंचाई उपयोगी हैं, लेकिन सूखे क्षेत्रों में पानी और रखरखाव जरूरी है। स्थानीय वैद्य और आयुर्वेद विशेषज्ञ क्षेत्रानुकूल प्रजातियां तय करें। कच्चे माल को स्थानीय फार्मेसियों और आयुष केंद्रों से जोड़ा जाए। विश्राम स्थलों पर सूचना-पट्ट लगें, ताकि यात्री पौधों का औषधीय महत्व जानें। तब सड़क सफर के साथ ज्ञान का रास्ता भी बनेगी।

राजमार्गों के किनारे पड़ी जमीन विकास की उस कहानी का अनकहा हिस्सा है, जिसे अक्सर कोई पढ़ता ही नहीं। धूल, तपिश, अतिक्रमण और प्रदूषण ने इन पट्टियों को उपेक्षा का भूगोल बना दिया है। औषधीय पौधों की योजनाबद्ध कतारें इसी भूले हुए भूभाग में फिर जीवन भर सकती हैं। घनी हरियाली धूल थामने, तापमान संतुलित करने और मिट्टी बचाने में मदद करेगी। साथ ही, यही वनस्पति पक्षियों, तितलियों और छोटे जीवों के लिए छोटे-छोटे आश्रय रचेगी। तब राजमार्ग केवल पहियों का गलियारा नहीं रहेगा; वह जैव-विविधता की जीवन-पट्टी भी बन सकेगा। जलवायु परिवर्तन के दौर में ऐसे हरित गलियारे भविष्य की पर्यावरण नीति का अहम आधार बन सकते हैं।

हरियाली का अर्थ तब खुलता है, जब वह जीवन को छूने लगे। इस योजना का महत्वपूर्ण पक्ष स्वास्थ्य है। आधुनिक जीवन ने बीमारी का नया भूगोल रचा है—तनाव, प्रदूषण और बिगड़ती जीवनशैली उसका हिस्सा हैं। ऐसे में औषधीय वनस्पतियों को सजावटी हरियाली मानना भूल होगी। वैज्ञानिक संरक्षण, कटाई और प्रसंस्करण से इनकी सामग्री सस्ती स्वास्थ्य-उपयोगों तक पहुंच सकती है। हालांकि राजमार्ग किनारे प्रदूषण (धूल, वाहन उत्सर्जन) से औषधीय गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है, इसलिए कटाई-उपयोग से पहले वैज्ञानिक परीक्षण जरूरी है। ग्रामीण क्षेत्रों में, जहां स्वास्थ्य सुविधाएं दूर हैं, पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय वनस्पतियां सहायक हो सकती हैं। लेकिन सावधानी जरूरी है—हर औषधीय पौधा हर व्यक्ति का उपचार नहीं। सही पहचान, वैज्ञानिक परीक्षण और विशेषज्ञ सलाह से ही इसकी संभावना जनहित में बदली जा सकती है।

हर पौधा लग जाने से हरियाली नहीं बनती; उसकी सांसें बची रहें, तभी प्रयास सार्थक है। यही इस योजना की सबसे बड़ी चुनौती है। सरकारी योजनाओं में पौधों की संख्या गिनना आसान है, उनकी जीवित रहने की दर गिनना असली प्रशासनिक कसौटी है। इसलिए सफलता का पैमाना 'कितने पौधे लगाए' नहीं, बल्कि 'कितने बचे, कितने बढ़े और कितना उपयोगी हुए' होना चाहिए। राजमार्ग प्राधिकरण, वन विभाग और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारियां स्पष्ट हों। नियमित स्वतंत्र मूल्यांकन हो और नष्ट पौधों का पुनरोपण सुनिश्चित किया जाए। स्थानीय लोगों को संरक्षण से जोड़ने के लिए पुरस्कार और प्रोत्साहन मिलें। जवाबदेही जितनी साफ होगी, योजना उतनी ही कागज से निकलकर जमीन पर जड़ पकड़ेगी।

सड़कें जब केवल दूरी नहीं, देश की सोच भी तय करने लगें, तभी विकास का अर्थ व्यापक होता है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर औषधीय पौधों की पहल इसी बदलती सोच की अभिव्यक्ति है। राजमार्ग देश की धमनियां हैं तो उनके किनारे उगती हरियाली प्रकृति, स्वास्थ्य और समाज के बीच जीवंत सेतु बन सकती है। इसकी सफलता पौधों की संख्या या सड़क की सुंदरता में नहीं, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, किसान की आय, आयुर्वेदिक ज्ञान, जैव-विविधता और स्वास्थ्य-जागरूकता में दिखाई देगी। तब राजमार्ग केवल दूरी घटाने वाली राह नहीं रहेगा—वह देश की यात्रा में जीवन को बेहतर बनाने वाली हरित धारा बन जाएगा।

पानी बहे, विवाद नहीं: सोन जल समझौते से सहकारी संघवाद की नई राह

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

अंतरराज्यीय नदियाँ केवल बहते पानी की नदियाँ ही नहीं हैं, बल्कि ये जीवन रेखाएँ हैं जो कृषि उत्पादन, पेयजल आपूर्ति, उद्योगों, पारिस्थितिकी तंत्र और लाखों लोगों की आजीविका को सहारा देती हैं। हालाँकि, नदियों का प्रवाह राज्य की सीमाओं को भी पार कर सकता है, इसलिए इनका प्रबंधन राज्यों के बीच टकराव का कारण बन सकता है। हाल ही में बिहार-झारखंड के बीच सोन नदी को लेकर हुआ समझौता, जिसका उद्देश्य लगभग 25 वर्षों से चले आ रहे जल विवाद को बातचीत के माध्यम से हल करना है, सतत जल प्रबंधन का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है झ्र एक ऐसा जल मुद्दा जिसे केवल सहयोग से ही सुलझाया जा सकता है, न कि टकराव से।

अंतरराज्यीय जल संघर्षों के निरंतर बने रहने का मुख्य कारण जल विकास के लिए परस्पर विरोधी हित हैं। एक राज्य सिंचाई के लिए अधिक जल का उपयोग कर सकता है, जबकि दूसरा पेयजल, उद्योग या शहरी विकास के लिए। ये सभी आवश्यकताएँ जायज हैं, लेकिन जल सीमित है। यदि कई राज्य एक ही नदी पर निर्भर हैं, तो संसाधन दुर्लभ हो जाते हैं और इन आवश्यकताओं को संतुलित करना संघीय प्रशासन के लिए एक चुनौती बन जाता है। विभिन्न क्षेत्रों और ऋतुओं में जल असंतुलन से जटिलताएं और बढ़ जाती हैं। मानसून के मौसम में अच्छी वर्षा प्राप्त करने वाले क्षेत्रों में उस दौरान भारी वर्षा हो सकती है, लेकिन ग्रीष्म ऋतु में वर्षा की कमी हो सकती है। इस प्रकार, एक नदी एक वर्ष भरपूर जल से भरी हो सकती है और दूसरे वर्ष विरल हो सकती है। जलवायु परिवर्तन के कारण यह स्थिति और भी अनिश्चित होती जा रही है। वर्षा के बदलते पैटर्न से नदियों के प्रवाह में परिवर्तन हो रहा है, जबकि लंबे समय तक सूखा पड़ने और चरम मौसम की घटनाएं भी जल उपलब्धता को प्रभावित कर रही हैं और जल उपलब्धता के बारे में अनुमानों को कम विश्वसनीय बना रही हैं। प्रशासनिक पुनर्गठन से ऐतिहासिक समझौतों पर असहमति भी उत्पन्न हो सकती है। बिहार-झारखंड संबंधों के मामले में भी यही स्थिति है। एक ही प्रशासनिक ढांचे के भीतर हुए समझौतों पर पुनर्विचार करना पड़ सकता है यदि राज्यों का पुनर्गठन हो और उनकी कृषि, जनसंख्या

और आर्थिक आवश्यकताएं विकसित हों। दशकों पहले प्रचलित 'निष्पक्षता' की अवधारणा वर्तमान संदर्भ में लागू होना आवश्यक नहीं है। संघर्ष का एक अन्य बड़ा कारण ऊपरी इलाकों में चल रही परियोजनाओं का विकास और उनका उपयोग है। बांधों, बैराजों और सिंचाई योजनाओं के कारण निचले इलाकों में पानी की मात्रा और निकासी का कार्यक्रम प्रभावित हो सकता है। सूचना साझाकरण और राज्यों के बीच परियोजना समन्वय के अभाव में, तकनीकी कार्य में निपुणता भी अविश्वास का कारण बन सकती है। पारदर्शी और वास्तविक समय के जलवैज्ञानिक आंकड़ों की अनुपलब्धता विवादों को और बढ़ा देती है। राज्यों के बीच आवंटित जल की मात्रा और उपलब्ध जल की मात्रा को लेकर अलग-अलग लक्ष्य हो सकते हैं। यदि वर्षा की मात्रा, नदी के प्रवाह, जलाशयों के स्तर और जल उपयोग के बारे में कोई साझा, वैज्ञानिक रूप से स्वीकृत जानकारी उपलब्ध नहीं है, तो बातचीत आसानी से परस्पर विरोधी मांगों पर बहस में बदल सकती है। अगर लोग राजनीतिक रूप से संगठित हो जाते हैं तो स्थिति और बिगड़ सकती है। पानी का मुद्दा भावनात्मक है और इसका किसानों, परिवारों और स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है। अगर तकनीकी समस्या क्षेत्रीय मुद्दा या राजनीतिक विवाद बन जाती है, तो समझौता करना मुश्किल हो जाता है। संस्थागत संवाद का यही उद्देश्य है, ताकि यह एक लंबा संघीय संघर्ष न बन जाए। सोन नदी के लिए बिहार-झारखंड का दर्जा समझौता वार्ता के महत्व का एक उदाहरण है। दोनों राज्यों ने आपसी सहमति से समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे से संपर्क साधकर अहिंसक तरीके से विवाद को सुलझाने का प्रयास किया है। रिपोर्ट के अनुसार, बिहार को 575 करोड़ एकड़-फीट (टअऋ) और झारखंड को 2 करोड़ एकड़-फीट जल आवंटन प्राप्त हुआ है। लेकिन इस समझौते का प्रभाव केवल इन आंकड़ों तक ही सीमित नहीं है, बल्कि इसके दूरगामी परिणाम भी हैं। इसका वास्तविक महत्व यह संदेश देना है कि राज्य अपने हितों की रक्षा करने के साथ-साथ अन्य राज्यों की आवश्यकताओं को भी समझने में सक्षम हैं। बातचीत से साझा अवसंरचना के बेहतर उपयोग के अवसर भी मिल सकते हैं। खंडित जल प्रबंधन की बजाय समन्वित जल प्रबंधन से इंद्रपुरी बैराज और उससे जुड़े नहर नेटवर्क से अधिक लाभ प्राप्त हो सकते हैं। साझा अवसंरचना को सहयोग का आधार बनना चाहिए, न कि विभाजन का नया कारण। अब भारत के लिए राज्य-आधारित दृष्टिकोण से हटकर नदी-बेसिन-आधारित दृष्टिकोण अपनाने का समय आ गया है। नदी बेसिन एक एकल पारिस्थितिक-आर्थिक इकाई है। इसलिए जल नियोजन के लिए नदी के ऊपरी और निचले समुदायों, भूजल, पर्यावरणीय प्रवाह, कृषि, पेयजल और औद्योगिक उपयोगों को ध्यान में रखा जाना चाहिए। सर्वप्रथम, जलविज्ञानीय डेटा साझा करने की खुली और अद्यतन प्रक्रियाओं को स्थापित करना महत्वपूर्ण है। रुचि रखने वाले सभी राज्यों को एक ही विश्वसनीय जानकारी तक पहुंच प्राप्त होनी चाहिए। प्रौद्योगिकी नदियों की निगरानी की सटीकता में सुधार करने और विभिन्न स्रोतों से प्राप्त डेटा पर विवाद को कम करने में सहायक हो सकती है। दूसरे, मध्यस्थता के तंत्र को मजबूत करने की आवश्यकता है। अंतर-राज्य परिषद और क्षेत्रीय परिषदों द्वारा उपलब्ध कराए गए संरचित मंचों का उपयोग मुकदमेबाजी या न्यायिक कार्यवाही से पहले उभरते जल मुद्दों पर चर्चा करने के लिए किया जा सकता है, जिससे भविष्य के विवादों को रोकने में मदद मिलेगी। यद्यपि न्यायालयों और न्यायाधिकरणों की महत्वपूर्ण भूमिका है, फिर भी बातचीत के माध्यम से किए गए समझौते बदलती परिस्थितियों के अनुरूप होने और दीर्घकालिक संबंधों को बनाए रखने में अधिक सहायक हो सकते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अंतरराज्यीय नदियों को किसी एक राज्य की संपत्ति नहीं बल्कि राज्यों द्वारा साझा की जाने वाली एक पारिस्थितिक और आर्थिक प्रणाली के रूप में माना जाना चाहिए। जो राज्य एक ही जल बेसिन साझा करने वाले अन्य राज्यों के हितों की अनदेखी करता है, वह दीर्घकालिक रूप से जल सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता। सहयोग करना कोई समझौता नहीं, बल्कि एक आवश्यकता है। बिहार-झारखंड सोन समझौता भारत के संघीय भविष्य के लिए एक सकारात्मक संकेत है।

विश्व शांति का भ्रम और युद्ध की नई अर्थव्यवस्था: बारूद से कौन सी मानवता का सृजन?

एनके शर्मा
लेखक

सभ्यता के इतिहास में शायद इससे बड़ा विरोधाभास कोई नहीं कि मनुष्य ने शांति की संस्थाएँ भी स्वयं निर्मित कीं और युद्ध के ऐसे औजार भी, जो कुछ ही क्षणों में सदियों की सभ्यता को राख में बदल सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के सभागारों में शांति के प्रस्ताव पारित होते हैं, राजनयिक मंचों पर संवाद की भाषा बोली जाती है, मानवाधिकारों की घोषणाएँ होती हैं, शांति पुरस्कार दिए जाते हैं; लेकिन दूसरी ओर हथियारों के कारखानों की चिमनियाँ लगातार धुआँ उगलती हैं, रक्षा बजट बढ़ते हैं, मिसाइल प्रणालियाँ अधिक घातक होती जाती हैं और युद्ध अब केवल सेनाओं का संघर्ष नहीं, बल्कि एक विशाल वैश्विक आर्थिक उद्योग बन चुका है। प्रश्न इसलिए केवल यह नहीं है कि दुनिया में युद्ध क्यों होते हैं; अधिक भयावह प्रश्न यह है कि क्या आधुनिक विश्व की आर्थिक संरचना को युद्ध से लाभ होने लगा है?

कभी युद्ध राजाओं की महत्वाकांक्षा, साम्राज्य विस्तार और भूभाग पर कब्जे का माध्यम था। आज युद्ध का चेहरा कहीं अधिक जटिल है। इसमें भू-राजनीति है, ऊर्जा है, खनिज हैं, समुद्री मार्ग हैं, हथियारों का बाजार है, तकनीकी वर्चस्व है, साइबर शक्ति है और वैश्विक वित्तीय हित हैं। युद्ध अब केवल सीमा पर नहीं लड़ा जाता; वह शेयर बाजारों, ऊर्जा बाजारों, आपूर्ति श्रृंखलाओं, मुद्रा विनिमय, तकनीकी प्रतिबंधों और सूचना के डिजिटल गलियारों में भी लड़ा जाता है। बारूद ने अपना रूप बदल लिया है, लेकिन उसका व्यापार पहले से कहीं अधिक संगठित, अधिक लाभकारी और अधिक वैश्विक हो गया है। सबसे भयावह विडंबना यह है कि युद्ध की कीमत मनुष्य चुकाता है और उसका आर्थिक लाभ अक्सर वे संस्थाएँ अर्जित करती हैं जो युद्धभूमि से हजारों किलोमीटर दूर बैठी होती हैं। किसी शहर पर गिरने वाली मिसाइल केवल एक इमारत नहीं गिराती; वह अस्पताल, विद्यालय, रोजगार, परिवार, भविष्य और सामाजिक विश्वास को भी ध्वस्त करती है। फिर पुनर्निर्माण के नाम पर अरबों डॉलर का बाजार खुलता है। एक ओर हथियारों की बिक्री बढ़ती है, दूसरी ओर तबाह शहरों के पुनर्निर्माण की परियोजनाएँ जन्म लेती हैं। युद्ध पहले विनाश पैदा करता है, फिर उसी विनाश को आर्थिक अवसर में बदल देता है। यही आधुनिक युद्ध अर्थव्यवस्था का सबसे निर्मम चेहरा है। दुनिया के शक्तिशाली राष्ट्र शांति की बात करते हुए

अपनी सैन्य क्षमताओं को लगातार बढ़ाते हैं। सुरक्षा का तर्क निश्चित रूप से आवश्यक है; कोई भी संप्रभु राष्ट्र अपनी जनता की रक्षा की उपेक्षा नहीं कर सकता। लेकिन जब सुरक्षा का अर्थ अंतहीन हथियारों की दौड़ बन जाए, तब सुरक्षा स्वयं असुरक्षा का कारण बनने लगती है। एक देश नई मिसाइल विकसित करता है, दूसरा उससे अधिक घातक मिसाइल बनाता है; एक नई ड्रोन तकनीक तैयार करता है, दूसरा उससे अधिक स्वायत्त युद्ध प्रणाली विकसित करता है। परमाणु हथियारों के युग में यह प्रतिस्पर्धा मानव बुद्धि की विजय कम और उसके आत्मविनाश की क्षमता का प्रदर्शन अधिक प्रतीत होती है। युद्ध की नई अर्थव्यवस्था में हथियार अब केवल टैंक और तोप नहीं हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त ड्रोन, उपग्रह, साइबर हथियार, निगरानी प्रणालियाँ, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध तकनीक और अंतरिक्ष आधारित सैन्य प्रणालियाँ भविष्य के संघर्षों का नया आधार बन रही हैं। मशीनें निर्णय लेने की प्रक्रिया में प्रवेश कर रही हैं और युद्ध का मानवीय चेहरा धीरे-धीरे स्क्रीन के पीछे छिपता जा रहा है। जिस क्षण हत्या एक दूर बैठे ऑपरेटर के लिए केवल डिजिटल लक्ष्य बन जाती है, उस क्षण मानवता के नैतिक विवेक पर सबसे बड़ा संकट खड़ा होता है। युद्ध जितना तकनीकी होता जा रहा है, उतना ही उसका मानवीय दर्द दृश्य से बाहर होता जा रहा है। यही कारण है कि आज का सबसे बड़ा खतरा केवल युद्ध नहीं, बल्कि युद्ध के प्रति समाज की संवेदनहीनता है। जब किसी दूर देश में हजारों नागरिक मारे जाते हैं और कुछ घंटों बाद वह घटना सोशल मीडिया की अगली खबर से ढक जाती है, तब हमें समझना चाहिए कि मानवता की स्मृति भी बाजार की गति के सामने कमजोर पड़ रही है। मृत्यु अब कभी-कभी आँकड़ा बन जाती है, शरणार्थी संख्या बन जाते हैं, घायल लोग फुटेज बन जाते हैं और भूख राजनीतिक विमर्श की एक पंक्ति। यह केवल युद्ध का संकट नहीं है; यह मनुष्य के भीतर मनुष्य के प्रति घटती संवेदना का संकट है। विश्व शांति की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था युद्ध रोकने के लिए बनी संस्थाओं से भरी हुई है, फिर भी युद्ध रोकने की राजनीतिक इच्छाशक्ति अक्सर राष्ट्रीय हितों, शक्ति-संतुलन और रणनीतिक गठबंधनों के नीचे दब जाती है। अंतरराष्ट्रीय कानून की प्रतिष्ठा तभी तक सुरक्षित रहती है, जब तक शक्तिशाली राष्ट्र उसकी व्याख्या अपने हितों के अनुकूल कर सकें—यह धारणा यदि गहरी होती गई तो वैश्विक व्यवस्था का नैतिक आधार ही क्षीण हो जाएगा। कानून यदि कमजोर पर कठोर और शक्तिशाली पर लचीला दिखाई देने लगे, तो न्याय की भाषा अपनी विश्वसनीयता खो देती है। इस संकट का एक आर्थिक पक्ष भी है। दुनिया के अनेक हिस्सों में हथियारों पर खर्च होने वाली विशाल धनराशि यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छ जल, खाद्य सुरक्षा, जलवायु संरक्षण और वैज्ञानिक अनुसंधान पर लगाई जाए तो मानव सभ्यता की दिशा बदल सकती है। एक मिसाइल किसी शहर की सुरक्षा बढ़ा सकती है, लेकिन एक विद्यालय किसी पीढ़ी का भविष्य बदल सकता है। एक युद्धक विमान सामरिक शक्ति का प्रतीक हो सकता है, लेकिन एक अस्पताल हजारों जीवन बचा सकता है। सवाल यह नहीं कि राष्ट्रों को रक्षा की आवश्यकता है या नहीं; सवाल यह है कि मानवता ने रक्षा और विनाश के बीच संतुलन कहाँ खो दिया? आज दुनिया के सामने एक और गंभीर खतरा संसाधनों और ऊर्जा की भू-राजनीति का है। तेल, गैस, दुर्लभ खनिज, जलमार्ग और रणनीतिक बंदरगाह केवल आर्थिक संसाधन नहीं रहे; वे शक्ति के उपकरण बन चुके हैं। संसाधनों पर नियंत्रण के लिए प्रतिस्पर्धा भविष्य के संघर्षों को जन्म दे सकती है। जलवायु परिवर्तन, जल संकट और खाद्य असुरक्षा इस तनाव को और बढ़ा सकते हैं। यदि 21वीं सदी में विकास का अर्थ संसाधनों पर वर्चस्व और सुरक्षा का अर्थ दूसरे की कमजोरी बन गया, तो शांति केवल कूटनीतिक शब्दावली में जीवित रहेगी, वास्तविक जीवन में नहीं। इसलिए आज मानवता को केवल युद्ध-विरोधी नारे नहीं, बल्कि युद्ध की आर्थिक संरचना पर प्रश्न उठाने की आवश्यकता है। हथियारों के उत्पादन, बिक्री और उपयोग में पारदर्शिता चाहिए। सैन्य गठबंधनों के साथ मानवीय उत्तरदायित्व चाहिए। युद्ध अपराधों के लिए जवाबदेही चाहिए। तकनीक के सैन्यीकरण पर अंतरराष्ट्रीय नियम चाहिए। और सबसे बढ़कर ऐसी वैश्विक अर्थव्यवस्था चाहिए जिसमें शांति लाभहीन और युद्ध लाभकारी न हो। मानव सभ्यता की असली परीक्षा यह नहीं कि उसने कितनी शक्तिशाली मिसाइलें बना लीं; परीक्षा यह है कि वह उन मिसाइलों को चलाने से स्वयं को रोक पाने की कितनी नैतिक क्षमता रखती है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया उद्घाटन एवं शुभारंभ

सड़क, स्वच्छता और हरित क्षेत्रों के विकास पर जोर, 2.84 करोड़ रुपये की लागत से नई सड़क का निर्माण शुरू

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत पीतमपुरा में विकास कार्यों को नई गति देते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को विभिन्न महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शुभारंभ किया। इन परियोजनाओं में सड़क निर्माण, आधुनिक कचरा प्रबंधन व्यवस्था तथा पार्कों के सौंदर्यीकरण और विकास से जुड़े कार्य शामिल हैं। सरकार का कहना है कि इन योजनाओं के पूरा होने के बाद क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं को और मजबूती मिलेगी तथा स्थानीय लोगों को बेहतर आवागमन, स्वच्छ वातावरण और विकसित हरित क्षेत्र उपलब्ध हो सकेंगे। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा स्थित श्री गुरु गोविंद सिंह कॉलेज से रिंग रोड तक नई सड़क के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। करीब 2.84 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली इस सड़क से क्षेत्र की यातायात व्यवस्था और संपर्क सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क निर्माण पूरा होने के बाद स्थानीय नागरिकों के साथ आसपास के क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों को भी आवागमन में सुविधा मिलेगी। क्षेत्र में बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए इस परियोजना को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पीतमपुरा के एसपी-टीपी ब्लॉक में आधुनिक कॉम्पैक्टर का भी उद्घाटन किया। इस व्यवस्था के माध्यम से कचरे के संग्रहण और प्रबंधन को अधिक व्यवस्थित बनाने का प्रयास किया जाएगा। आधुनिक कचरा प्रबंधन व्यवस्था से क्षेत्र में स्वच्छता बनाए रखने के साथ कचरे के परिवहन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित दिल्ली के निर्माण के लिए केवल सफाई अभियान पर्याप्त नहीं है, बल्कि कचरे के संग्रहण से लेकर उसके निस्तारण तक पूरी व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। इसी दिशा में आधुनिक संसाधनों का उपयोग बढ़ाया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने वाईपी ब्लॉक के तीन और डब्ल्यूपी ब्लॉक के दस पार्कों में होने वाले सौंदर्यीकरण एवं विकास कार्यों का भी उद्घाटन किया। इन पार्कों को स्थानीय नागरिकों के लिए अधिक स्वच्छ, सुंदर और सुविधाजनक बनाने पर जोर दिया जाएगा। पार्कों के विकास से क्षेत्र में हरित क्षेत्र को बढ़ावा मिलने के साथ लोगों को सुबह-शाम टहलने और समय बिताने के लिए बेहतर स्थान उपलब्ध होंगे। पार्कों के विकास कार्यों में आवश्यकतानुसार हरित क्षेत्र को बेहतर बनाने, नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने और सार्वजनिक स्थानों को व्यवस्थित करने पर ध्यान दिया जाएगा। इससे बच्चों, बुजुर्गों और स्थानीय निवासियों को भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

विकास परियोजनाओं के शुभारंभ के अवसर पर क्षेत्र के नागरिकों और कार्यकताओं ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का माला पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। लोगों ने क्षेत्र में सड़क, स्वच्छता और पार्कों से जुड़े विकास कार्यों का स्वागत करते हुए अन्य आवश्यक सुविधाओं को भी प्राथमिकता के आधार पर विकसित करने की मांग रखी। कार्यक्रम में निगम पार्षद डॉ. अमित नागपाल, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल जैन, मंडल अध्यक्ष नीतिश जैन, भरत बजाज सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य विकास को केवल बड़े परियोजनाओं तक सीमित रखना नहीं है। सरकार का प्रयास है कि विकास का लाभ हर गली, हर कॉलोनी और हर नागरिक तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, हरित एवं सुंदर सार्वजनिक स्थलों, बेहतर सड़क संपर्क और मजबूत शहरी व्यवस्थाओं के माध्यम से दिल्लीवासियों के जीवन को अधिक सुविधाजनक बनाने के लिए लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ नागरिकों की रोजमर्रा की जरूरतों को भी प्राथमिकता दी जा रही है। सड़कें बेहतर होने से आवागमन आसान होगा, आधुनिक कचरा प्रबंधन व्यवस्था से स्वच्छता को बढ़ावा मिलेगा और पार्कों के विकास से लोगों को बेहतर सार्वजनिक एवं हरित स्थान मिलेंगे।

आईबीएसईए के उभरते हरियाणा शिक्षाविद सम्मेलन में इमरान खान सम्मानित

शिक्षा, उद्यमिता और नेतृत्व को नई दिशा देने पर जोर, स्थानीय प्रतिभाओं को वैश्विक मंच तक पहुंचाने का आह्वान

वेलकम इंडिया संवाददाता

गुरुग्राम। गुरुग्राम स्थित आईआईएलएम विश्वविद्यालय में आईबीएसईए के 'उभरते हरियाणा शिक्षाविद सम्मेलन-2026' का आयोजन किया गया। सम्मेलन में शिक्षा, उद्यमिता, नेतृत्व और सामाजिक बदलाव के क्षेत्र से जुड़े शिक्षाविदों, उद्यमियों, नेतृत्वकताओं और युवा प्रतिभाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में इमरान खान को विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मानित किया गया। समारोह के दौरान आयोजकों की ओर से इमरान खान को स्मृति-चिह्न और सम्मान-पत्र प्रदान किया गया। सम्मान मिलने पर इमरान खान ने आयोजकों और पूरी आईबीएसईए हरियाणा टीम के प्रति आभार व्यक्त किया। सम्मेलन का उद्देश्य शिक्षा और उद्यमिता के क्षेत्र में नई सोच, नवाचार और प्रभावी नेतृत्व को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम के दौरान 'स्थानीय से वैश्विक' और 'दृष्टि से कार्य' जैसे संदेशों के माध्यम से प्रतिभागियों को स्थानीय स्तर की प्रतिभाओं और विचारों को वैश्विक मंच तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान प्राप्त करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव और राष्ट्र निर्माण की मजबूत आधारशिला है। युवाओं को शिक्षा के साथ नवाचार, उद्यमिता और नेतृत्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया गया। सम्मेलन में 'विकसित हरियाणा से विकसित भारत' की दिशा में सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि शिक्षाविदों, उद्यमियों और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय नेतृत्वकताओं के बीच बेहतर समन्वय और सहयोग से विकास की प्रक्रिया को नई गति दी जा सकती है। कार्यक्रम में शिक्षा और उद्यमिता को युवाओं के सशक्तीकरण तथा राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण माध्यम बताते हुए सकारात्मक सोच, नवाचार और प्रभावी नेतृत्व को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में डॉ. अंशुमान सिंह, डॉ. हीरा लाल पटेल, पी.वी.आर. मूर्ति, जितेंद्र ग्रोवर और चिराग गुप्ता सहित आईबीएसईए हरियाणा टीम के सदस्य मौजूद रहे। सम्मेलन शिक्षा जगत और नेतृत्व के क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए संवाद, विचार-विमर्श और प्रतिभाओं के सम्मान का महत्वपूर्ण मंच बना। आयोजकों के अनुसार, ऐसे मंचों के माध्यम से शिक्षा, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व के क्षेत्र में काम कर रहे लोगों को एक साथ लाकर नए विचारों और सहयोग की संभावनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। सम्मेलन में भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप शिक्षा व्यवस्था और नेतृत्व क्षमता विकसित करने पर भी जोर दिया गया।

राइका देवतोली के छह विद्यार्थियों का मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना में चयन

कांडा। पंकज डसीला। जनपद के सीमांत क्षेत्र का स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पीएस डसीला स्मारक राजकीय इंटर कॉलेज देवतोली के छह विद्यार्थियों का चयन मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए हुआ है। विद्यार्थियों की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों में खुशी की लहर है। विद्यालय के शिक्षक-अभिभावक संघ के अध्यक्ष पूरन सिंह भौर्याल ने बताया कि मुख्यमंत्री मेधावी छात्रवृत्ति योजना में विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन होना क्षेत्र के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि इस तरह की योजनाओं से मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहन मिलने के साथ ही उनकी प्रतिभा को और निखरने का अवसर मिलेगा। चयनित विद्यार्थियों में शौर्य पंत, महिमा रावत, नितेश पंत, पारस बोरा और ज्योति खाती कक्षा छह के विद्यार्थी हैं, जबकि आकांक्षी चंतोला कक्षा नौ की छात्रा हैं। विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत और लगन से यह उपलब्धि हासिल की है।

भारी बारिश के चलते सड़क पर विशाल आम का पेड़ गिरा, बाल-बाल बचे राहगीर

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। रविवार को हुई भारी बारिश के कारण मिश्रौलिया थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम सभा उड़वलिया में हनुमान मन्दिर के सामने, मुनीराम के घर के पास जिगनिहवा-चेतिया-मधवापुर मार्ग पर एक विशाल आम का वृक्ष अचानक गिर गया। वहीं गनीमत रही कि उस समय सड़क पर कोई यात्री व वाहन नहीं था, नहीं तो बहुत बड़ा हादसा हो सकता था। सड़क से गुजर रहे लोग बाल-बाल बच गये। कई घंटे तक सड़क जाम रहा आवागमन बातचीत हुआ यात्री फंसे रहे। समाचार लिखे जाने तक आधा पेड़ अभी भी सड़क पर पड़ा हुआ है, जिससे आने-जाने वाले लोगों को काफी दिक्कत हो रही है। समाजसेवी हीरालाल निषाद टेलर जो उसी चौराहे पर सिलाई का कार्य करते हैं और गांव के निवासी भी हैं, उन्होंने बताया कि जनता से अपील है कि उड़वलिया मार्ग से जो भी भाई गुजरें, कृपया आराम से और देखकर चलें। साथ ही विद्युत विभाग और वन विभाग से मांग की गई है कि मौके पर पहुंचकर जल्द से जल्द पेड़ को सड़क से हटवाया जाये, ताकि आवागमन सुचारू हो सके। उक्त मामले पर चेतिया जंगल बीट प्रभारी वन दरोगा सन्दीप का बयान सामने आया है। उन्होंने बताया कि कि ₹मामले की सूचना मिलते ही उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। पेड़ को हटाने के लिए विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो चुकी है। जल्द ही सड़क को साफ कर आवागमन बहाल कर दिया जाएगा। बारिश के कारण पेड़ की जड़ें

सरकारी बोलेरो की चपेट में आने से तीन साल की बच्ची की मौत, मां की गोद हुई सूनी

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र में रविवार दोपहर करीब डेढ़ बजे सीडीओ आवास के सामने दर्दनाक हादसा हो गया। सरकारी विभाग की बोलेरो से कुचलकर तीन वर्षीय मासूम अंशिका की मौत हो गई। हादसे के बाद मां उमन का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जा रहा है कि बृजमनगंज थाना क्षेत्र के बेलसड़ गांव निवासी कमलेश की पत्नी उमन अपनी तीन वर्षीय बेटी अंशिका को लेकर मोबाइल बनवाने के लिए नौगढ़ आई थीं। इसी दौरान सीडीओ आवास के सामने तेज रफ्तार में बोलेरो पीछे करते समय बच्ची उसकी चपेट में आ गई। गंभीर रूप से घायल बच्ची को वाहन चालक ने दूसरे साधन से मुख्यालय स्थित डॉ. चंद्रेश के अस्पताल पहुंचाया। यहां इलाज के दौरान बच्ची ने दम तोड़ दिया। सूचना पर सदर थानाध्यक्ष नवीन सिंह अस्पताल पहुंचे और घटना की जानकारी ली। पुलिस बोलेरो और चालक के संबंध में जांच-पड़ताल कर रही है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि बोलेरो किस सरकारी विभाग की है और उसे कौन चला रहा था। हादसे के बाद चालक ने बोलेरो को सीडीओ आवास स्थित कैंप में खड़ा कर दिया। घटना से परिवार में कोहराम मचा है। मासूम की मौत से परिजनों और ग्रामीणों में शोक है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

हाजी शकील सैफी के घर पहुंचे मटिया महल विधायक आले मोहम्मद इकबाल, हाजी शकील सैफी से मिलकर जताया दुख

वेलकम इंडिया/एहसान अंसारी

नई दिल्ली। दिल्ली के मटिया महल विधानसभा क्षेत्र से विधायक आले मोहम्मद इकबाल आज वर्ल्ड पीस हार्मनी चेयरमैन हाजी शकील सैफी के आवास पर पहुंचे। हाजी शकील सैफी के बड़े बेटे मरहूम फैज सैफी के इंतकाल पर ताज़ियत और संवेदना व्यक्त करने का।

कुछ दिन पहले फैज सैफी के इंतकाल से परिवार में गम का माहौल है। इसी दुख की घड़ी में विधायक आले मोहम्मद इकबाल ने शकील सैफी के घर पहुंचकर परिवार से मुलाकात की और अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट कीं। मरहूम फैज सैफी के इंतकाल की खबर के बाद से ही उनके परिवार, रिश्तेदारों और करीबियों में गम का माहौल है। इसी बीच आज मटिया महल के विधायक आले मोहम्मद इकबाल हाजी शकील सैफी के घर पहुंचे। विधायक ने शकील सैफी और उनके परिवार से मुलाकात कर दुख की इस घड़ी में उनके साथ खड़े रहने का भरोसा दिलाया। उन्होंने मरहूम फैज सैफी के लिए दुआ-ए-मगफिरत की और परिवार को इस बड़े सदमे को सहन करने के लिए सब्र की दुआ की।

इस मौके पर विधायक आले मोहम्मद इकबाल ने कहा कि अपनों को खोने का गम बेहद मुश्किल होता है और ऐसे समय में परिवार के साथ खड़ा होना इंसानी और सामाजिक जिम्मेदारी है। परिवार की ओर से भी विधायक का ताज़ियत के लिए घर पहुंचने पर शुक्रिया अदा किया गया। आखिर में मरहूम फैज सैफी के लिए दुआ की गई कि अल्लाह तआला उन्हें जन्नतुल फि रदौस में आला मुकाम अता फरमाए और उनके तमाम अहले-खाना को सब्र-ए-जमील अता करे।

रामगंज में अंग्रेजी शराब में मिलावट के आरोप, सेल्समैन पर गंभीर सवाल

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। पट्टी रामगंज नगर पंचायत में अंग्रेजी शराब की बिक्री को लेकर लगाए गए मिलावट के आरोपों ने अब नया मोड़ ले लिया है। बीते शाम इस संबंध में खबर प्रकाशित होने के बाद कई नगरवासियों ने सामने आकर आरोप लगाया कि रामगंज स्थित अंग्रेजी शराब की दुकान पर कथित तौर पर सेल्समैन द्वारा शराब में मिलावट की जाती है।

नगरवासियों का कहना है कि शराब में मिलावट का काम दुकान के सेल्समैन द्वारा किए जाने का आरोप है। स्थानीय लोगों ने यह भी दावा किया है कि उनके पास कथित तौर पर शराब में मिलावट किए जाने के दौरान के वीडियो मौजूद हैं। हालांकि, इन वीडियो और लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र अथवा आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हो सकी है। रामगंज नगर पंचायत स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस मामले में दुकान के मालिक की भूमिका को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ नगरवासियों का कहना है कि कथित तौर पर सेल्समैन द्वारा की जा रही मिलावट की जानकारी दुकान मालिक को नहीं है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होने पर ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि शराब में वास्तव में मिलावट की जा रही है या नहीं और यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है। रामगंज नगर पंचायत नगरवासियों ने आबकारी विभाग से मामले को गंभीरता से लेते हुए शराब के नमूने लेकर उनकी जांच कराने तथा दुकान की बिक्री और स्टॉक की जांच किए जाने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि शराब में किसी भी प्रकार की मिलावट पाई जाती है तो यह सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य से जुड़ा गंभीर मामला है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि शिकायतें और आरोपों के बाद आबकारी विभाग इस मामले में कितना सक्रिय होता है।

अ.भा. ब्राह्मण महासभा द्वारा मेधावी छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिका सम्मानित

जिला विद्यालय निरीक्षक हापुड डा. श्वेता पूठिया मुख्य अतिथि एवं जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा शतानंद शर्मा ने की अध्यक्षता

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुरादाबाद। अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा महानगर मुरादाबाद के तत्वावधान में मेधावी छात्र/छात्राओं एवं शिक्षक/शिक्षिकाओं का सम्मान समारोह मधुरम हेरिटेज, दिल्ली रोड मुरादाबाद में भव्यता पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला विद्यालय निरीक्षक हापुड डा. श्वेता पूठिया, जिला विद्यालय निरीक्षक अमरोहा शतानंद शर्मा, विशिष्ट अतिथि डा. विश्वास शर्मा, समाजसेवी प्रदीप शुक्ल, स्वागताध्यक्ष राजेश कौशिक एवं प्रेरणास्रोत डा.प्रदीप शर्मा ने भगवान परशुराम एवं मां सरस्वती के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शतानंद शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि छात्र/छात्राएं राष्ट्र के विकास की रूप रेखा तैयार करते हैं, उन्होंने छात्रों से डा.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के आदर्शों को अंगीकार करने का आवाह्न किया। मुख्य अतिथि डा.श्वेता पूठिया ने वर्तमान परिदृश्य में छात्रों को अनुशासित रहकर निष्ठावान चरित्रवान एवं शारीरिक रूप से सशक्त रहने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि डा. विश्वास शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि शिक्षक छात्रों के हृदय में ज्ञान ज्योति प्रज्वलित करते हैं छात्रों को शिक्षकों के प्रति सम्मान एवं आदरभाव रखना चाहिए। स्वागताध्यक्ष राजेश कौशिक ने कहा कि शिक्षकों को गुरुत्व गरिमा रखते हुए छात्रों से स्नेह पूर्ण एवं प्रेरणादायक व्यवहार रखना चाहिए। डा.प्रदीप शर्मा ने कहा कि शिक्षक सभ्य समाज के निमार्ता एवं राष्ट्र के उज्जवल भविष्य के मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम में मेधावी 40 शिक्षक/शिक्षकाओं एवं 43 छात्र/छात्राओं को स्मृति चिन्ह एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया । विपिन जेटली, सत्यप्रकाश शर्मा, डा.ए.पी. शर्मा, धर्मेंद्र नाथ मिश्र, श्याम बिहारी शर्मा, डा.विनोद पाण्डेय, राहुल शर्मा, डा.इन्दु पारिख बतौर विशिष्ट अतिथि रहे । विमलेंद्र शर्मा, राजेश त्रिपाठी, राधेश्याम शर्मा, अवधेश पाठक, डा. प्रेमवती उपाध्याय, डा.अनामिका त्रिपाठी, डा.मधुबाला त्यागी, सीमा शर्मा, जीवनलता शर्मा, संजय स्वामी, अनिमेष शर्मा, डा.शरद कुमार शर्मा, धवल दीक्षित, महानगर अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, महामंत्री सुनील कुमार शर्मा, कोषाध्यक्ष सचिन शंखधार, महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऊषा शर्मा, महामंत्री श्वेता शर्मा, कोषाध्यक्ष ऋचा शर्मा, युवा इकाई के अध्यक्ष अमित शर्मा राजू, महामंत्री प्रवीणवीर शर्मा, कोषाध्यक्ष अभिषेक चतुवेर्दी आदि का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय स्तरीय कवि मयंक शर्मा ने किया।

भूमि विवाद में चली गोली, 40 वर्षीय व्यक्ति की मौत

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। सदर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर मोहल्ले में रविवार सुबह भूमि विवाद को लेकर दो पक्षों में हुई कहासुनी के बाद गोली चल गई। गोली लगने से लगभग 40 वर्षीय रामशंकर की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद मोहल्ले में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पड़ोसी पक्ष के कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस अन्य संदिग्धों की तलाश में भी जुटी है।जगदीशपुर मोहल्ला निवासी रामशंकर रस्तोगी का पड़ोसी अतुल दुबे और देवेश धर दुबे से भूमि को लेकर विवाद चल रहा था। बताया जा रहा है कि इसी जमीन के मामले को लेकर न्यायालय में भी वाद लंबित है। रविवार सुबह करीब 9:30 बजे दोनों पक्ष विवादित भूमि को लेकर आमने-सामने आ गए। दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। आरोप है कि इसी दौरान अतुल दुबे की ओर से किसी व्यक्ति ने गोली चला दी। गोली रामशंकर रस्तोगी के सीने में लगी और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। गोली चलने की आवाज और शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाने के साथ आसपास के लोगों से पूछताछ की। बाद में पड़ोसी पक्ष के तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी गई। सदर थाना प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि भूमि विवाद को लेकर गोली चलने और एक व्यक्ति की मौत की सूचना मिली है। मामले की जांच की जा रही है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। अभी घटना के संबंध में तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलते ही मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

संस्कृति और परंपराओं की संरक्षक हैं माताएं-बहनें: पुष्कर सिंह धामी

मुख्यमंत्री ने सरकारी स्तर पर तीज उत्सव को और भव्य रूप से आयोजित करने की घोषणा की, गोरखा समाज के शौर्य और राष्ट्रभक्ति को सराहा

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने जसवंत सिंह ग्राउंड, गढ़ी कैंट में आयोजित गोखार्ली महिला हरितालिका तीज उत्सव में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्होंने गोखार्ली समाज की माताओं और बहनों को हरितालिका तीज की शुभकामनाएं देते हुए उनके सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि हरितालिका तीज उत्सव को सरकारी स्तर पर और अधिक भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरितालिका तीज माता पार्वती की अटूट तपस्या, विश्वास, समर्पण और शक्ति का प्रतीक है। यह पर्व दृढ़ संकल्प और विश्वास के साथ लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि माताएं और बहनें हमारी संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों की सबसे बड़ी संरक्षक हैं। उनके प्रयासों से भाषा, लोक परंपराएं और सांस्कृतिक विरासत एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंच रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि गोखार्ली समाज अपनी वीरता, निष्ठा, परिश्रम और राष्ट्रभक्ति के लिए जाना जाता है। देश की सीमाओं की रक्षा में गोरखा वीरों ने हमेशा अदम्य साहस और शौर्य का परिचय दिया है। देश के लिए सर्वस्व न्योछावर करने की गोरखा समाज की भावना पर पूरे देश को गर्व है। उन्होंने बताया कि मसूरी विधानसभा क्षेत्र में अमर शहीद कप्तान दल बहादुर थापा की स्मृति में बनने वाले ह्यआजाद हिंद फौज शहीद द्वारह्न का शिलान्यास भी किया गया है। उन्होंने कहा कि यह शहीद द्वार गोरखा समाज के अदम्य शौर्य, त्याग और राष्ट्रभक्ति का प्रतीक बनेगा और आने वाली पीढ़ियों को उनके बलिदान से परिचित कराएगा। मुख्यमंत्री ने भारत और नेपाल के संबंधों को आत्मीय बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच केवल पड़ोसी राष्ट्रों का रिश्ता नहीं है, बल्कि सदियों पुराने सांस्कृतिक और पारिवारिक संबंध हैं। उन्होंने कहा कि सीमांत क्षेत्र से होने के कारण उन्होंने भारत और नेपाल की साझा संस्कृति, आत्मीयता और आपसी जुड़ाव को करीब से महसूस किया है। नेपाल में आई प्राकृतिक आपदा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि संकट की इस घड़ी में भारत नेपाल के साथ खड़ा है। उन्होंने आपदा प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए नेपाल के जल्द इस संकट से उबरने की कामना की। कार्यक्रम में कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी, आचार्य बालकृष्ण, गीता पुष्कर धामी, गोखार्ली सुधार सभा के अध्यक्ष पदम सिंह थापा, गोखार्ली महिला हरितालिका तीज उत्सव कमेटी की अध्यक्ष प्रभा शाह, गोरखा कल्याण परिषद की अध्यक्ष ज्योति कोटिया, नेहा जोशी, सिद्धार्थ अग्रवाल, अनुकृति गुसाईं सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पत्रकार समाज का अभिन्न अंग है: डॉ. बलराम त्रिपाठी

ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन की तहसील खलीलाबाद की हुई समीक्षा बैठक

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। रविवार को ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील खलीलाबाद की समीक्षा बैठक खलीलाबाद ब्लाक सभागार में सम्पन्न हुई। इस दौरान काफी संख्या में लोग मौजूद रहे। मण्डल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी ने रविवार को खलीलाबाद ब्लाक सभागार में ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन तहसील खलीलाबाद की समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का अभिन्न अंग है वह शासन-प्रशासन और जनता के बीच सेतु का काम करते हैं। आपकी पहचान खबरों से होती है। इसलिए आप अपनी खबरों को निष्पक्ष तरीके से समाज के सामने पेश कीजिये। उन्होंने कहा कि तहसील की मासिक बैठक हर दो माह पर और जिला कमेटी की बैठक तीन महीने पर करें। उन्होंने मण्डल और जिला कोष स्थापित किये जाने की मांग पर कहा कि उच्च पदाधिकारियों से दिशा निर्देश प्राप्त कर आगे की कार्रवाई की जायेगी। तहसील अध्यक्ष तहसील कोष स्थापित कर सकते हैं। उन्होंने अनुपस्थित पदाधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिये। बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष अतीक अहमद व संचालन मंडल प्रवक्ता/ मीडिया प्रभारी मुहम्मद परवेज अख्तर ने किये। इससे पूर्व मण्डल अध्यक्ष डॉ. बलराम त्रिपाठी ने संस्थापक स्व. बाबू बालेश्वर लाल के चित्र का माल्यार्पण कर बैठक की शुरूआत की। पदाधिकारियों ने मण्डल अध्यक्ष का फूलमालाओ से स्वागत किये। इस दौरान मण्डल उपाध्यक्ष महेन्द्र श्रीवास्तव, जिलाध्यक्ष सौरभ त्रिपाठी, जिला संरक्षक के. के. निर्भीक, जिला महामंत्री मो. आफताब आलम अंसारी, पी के राय, जिला मंत्री मो. अदनान आदि ने अपने विचार व्यक्त किये। इस मौके पर अतहरूल बारी, सत्यप्रकाश वर्मा, शिवानंद, खुर्शीद आलम, आफताब अहमद, रसाल कुमार श्रीवास्तव, अख्तर हुसैन, तौफीक अहमद, इन्द्रजीत यादव, हरिश्चन्द्र भारती, त्रिभुवन प्रसाद चौरसिया, कृष्ण गोपाल तिवारी, राकेश धर दूबे, कैलाश पति मौर्या आदि मौजूद रहे।

आगरा-अलीगढ़ मंडल में जल्द गठित होंगी 'उपज' की नई इकाइयां: अतुल जिंदल

पत्रकारों की सुरक्षा-पेंशन समेत पांच प्रस्ताव पारित, पेंशन दान नहीं अधिकार -डॉ प्रसून शुक्ला

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश एसोसिएशन ऑफ जर्नलिस्ट्स (उपज) की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक रविवार को विधायक निवास-2, दारुलशफा स्थित कॉमन हॉल में हुई। प्रदेशभर से आए पत्रकारों ने सुरक्षा, सम्मान और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर मंथन किया। बैठक में 60 वर्ष की आयु के बाद पत्रकारों को पेंशन, पत्रकार सुरक्षा कानून, स्वास्थ्य बीमा, राज्य संपत्ति विभाग के गेस्ट हाउस में समान दर तथा जिलों में स्थायी समिति गठन संबंधी पांच प्रस्ताव पारित किए गए।

उपज मथुरा इकाई के जिलाध्यक्ष एवं आगरा - अलीगढ मंडल प्रभारी अतुल कुमार जिंदल ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं को मजबूती से उठाने के लिए संगठन का विस्तार जरूरी है। आगरा-अलीगढ़ मंडल में उपज की नई जिला इकाइयों का गठन जल्द किया जाएगा। इससे मंडल के पत्रकारों को संगठित मंच मिलेगा और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से शासन-प्रशासन के सामने रखा जा सकेगा। मुख्य अतिथि जनता दल (सेकुलर) के प्रदेश अध्यक्ष ओंकार सिंह ने कहा कि पत्रकारिता लोकतंत्र के तीनों स्तंभों की मार्गदर्शक है। मीडिया समाज, प्रशासन और राजनीतिक व्यवस्था को सही दिशा दिखाने के साथ जरूरत पड़ने पर चेतावनी और आलोचना भी करता है।

मुख्य वक्ता एपीएन न्यूज के प्रधान संपादक डॉ. प्रसून शुक्ला ने कहा कि पत्रकारों की पेंशन कोई दान नहीं, बल्कि उनके योगदान और सम्मान से जुड़ा अधिकार है। वरिष्ठ पत्रकार हेमंत तिवारी ने लंबित मांगों पर सरकार से तत्काल निर्णय लेने की मांग की। एनयूजेआई के राष्ट्रीय महासचिव त्रियुग नारायण तिवारी ने पत्रकारों से दायित्वबोध के साथ सत्य को उजागर करने का आह्वान किया। एनयूजेआई के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अशोक मलिक ने उत्तर प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग की। राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डॉ. फल कुमार पंवार ने पत्रकारों की मांगों को लेकर संघर्ष तेज करने की बात कही।

समारोह में उपज के संस्थापक महामंत्री स्व. राधेश्याम लाल कर्ण के पत्रकारिता एवं पर्यावरण संरक्षण में योगदान को याद किया गया। उनकी स्मृति में वाराणसी, भदोही, रायबरेली और अंबेडकर नगर की जिला इकाइयों को पर्यावरण सम्मान प्रदान किया गया। इस दौरान उपज मथुरा के जिलाध्यक्ष अतुल कुमार जिंदल, जिला कोषाध्यक्ष विपिन अग्रवाल एवं वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष विजय कुमार सिंघल सहित अन्य पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। संचालन प्रदेश अध्यक्ष सर्वेश कुमार सिंह ने किया।

विद्यार्थियों के व्यक्तित्व निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। विकास खंड बलदेव के सभागार में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के द्वारा शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।जिसमें विकास खंड बलदेव के 101 उत्कृष्ट शिक्षकों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भाजपा के जिला महामंत्री सत्यपाल चौधरी, ब्लॉक प्रमुख बलदेव प्रतीक भरंगर, खंड शिक्षा अधिकारी गिर्राज सिंह, शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुकुलकांत उपाध्याय ने शिक्षक शिक्षिकाओं के पास जाकर दुपट्टा ओढ़ाकर उनका सम्मान किया। वहीं 101 शिक्षक, शिक्षिकाओं, अनुदेशक, शिक्षामित्रों को उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख प्रतीक भरंगर ने कहा कि कहा कि शिक्षकों का सम्मान ज्ञान और संस्कार की परंपरा का सम्मान है। खंड विकास अधिकारी नेहा रावत ने कहा कि मनुष्य को जीवन में अनुशासन, नैतिकता और सही राह शिक्षक ही दिखाता है। जिला महामंत्री भाजपा सत्यपाल चौधरी ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण की आधारशिला हैं। उत्तर प्रदेशीय शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष मुकुल कांत उपाध्याय ने कहा कि शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य विद्यार्थियों में ज्ञान के साथ संस्कार, अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना विकसित करना है। सभी आगंतुक अतिथियों का ब्लाक अध्यक्ष योगेश चौधरी व उनकी कार्यकारिणी के पदाधिकारियों द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। इस अवसर पर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय शर्मा, मंत्री मनोज चौधरी, संयुक्त मंत्री अनुपम शर्मा, अविनाश शुक्ला, अनीता चौधरी, एआरपी गीता रावत, खुशबू श्रीवास्तव सहित शिक्षक शिक्षिकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश अग्रवाल व गौरी शंकर ने किया।

जेई को कार से कुचलने वाला युवक गिरफ्तार, आरोपी की कार भी बरामद

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। मथुरा के गोविंदनगर थाना पुलिस ने जान से मारने की नीयत से कार से टक्कर मारकर जेई को कुचलने के आरोपी बीजेपी नेता के बेटे को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। उससे कार भी बरामद की है। आरोपी की पहचान आगरा के न्यू आगरा थाना क्षेत्र स्थित पुष्पांजलि बाग फेस-4 निवासी दीपक उर्फ विशाल (39) पुत्र मधुसूदन के रूप में हुई है। आरोपी के पिता आगरा में भाजपा के पूर्व उपाध्यक्ष रहे हैं। पुलिस के मुताबिक 31 अगस्त को दोपहर करीब 12:30 बजे गोकुल रेस्टोरेंट के सामने सर्विस रोड पर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग में अवर अभियंता विक्रांत भारती को आरोपी ने अपनी कार से टक्कर मार दी। आरोप है कि आरोपी ने वाहन के आगे और पीछे के पहियों से उन्हें रगड़ते हुए गंभीर रूप से घायल कर दिया और मौके से फरार हो गया। घायल विक्रांत का वर्तमान में आरोग्य अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की गंभीरता को देखते हुए उच्चाधिकारियों के निर्देश पर स्पेशल ऑपरेशन टीम और गोविंदनगर थाना पुलिस की टीम गठित की गई। पुलिस ने वाहन के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। शनिवार रात को पुलिस ने बिजलीघर के सामने मसानी लिंक रोड से आरोपी दीपक उर्फ विशाल को गिरफ्तार कर लिया। उसके कब्जे कार बरामद की गई। एसपी सिटी राजीव कुमार सिंह ने बताया है कि आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है।

कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स माउंट की ओर से माउंट त्रिशूल के लिए एक पर्वतारोहण अभियान को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून। भारतीय सेना के कॉर्प्स ऑफ इंजीनियर्स की ओर से माउंट त्रिशूल के लिए एक पर्वतारोहण अभियान को रुड़की स्थित बंगाल इंजीनियर ग्रुप एंड सेंटर से औपचारिक रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। गढ़वाल हिमालय में 7,120 मीटर (23,360 फीट) की ऊंचाई पर स्थित माउंट त्रिशूल, अत्यधिक ऊंचाई, मुश्किल रास्तों और अनिश्चित मौसम की चुनौतियों का एक कठिन मिश्रण पेश करता है। यह अभियान टीम की शारीरिक सहनशक्ति, तकनीकी दक्षता, मानसिक मजबूती और ऊंचाई वाले चुनौतीपूर्ण माहौल में प्रभावी ढंग से काम करने की क्षमता की परीक्षा लेगा। अनुभवी अधिकारियों, जूनियर कमीशंड अधिकारियों और अन्य रैंक के जवानों से बनी इस अभियान टीम ने मिशन के लिए कड़ी तैयारी की है। इसमें ऊंचाई वाले माहौल के अनुकूल ढलना, जबरदस्त शारीरिक ट्रेनिंग और पर्वतारोहण की तकनीकों में विशेष प्रशिक्षण शामिल है। चढ़ाई से जुड़ी तकनीकी और लॉजिस्टिकल चुनौतियों से निपटने के लिए भी व्यापक योजना बनाई गई है। इस अवसर पर सेंट्रल कमांड के जीओसी-इन-सी लेफ्टिनेंट जनरल अनिंद्य सेनगुप्ता ने टीम की शारीरिक फि टनेस, मानसिक मजबूती और टीम भावना के उच्च स्तर की सराहना की। समारोह में सेना के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए, जिनमें इंजीनियर-इन-चीफ लेफ्टिनेंट जनरल विकास रोहेला और बंगाल सैपर्स एंड मिलिट्री सर्वे के कर्नल कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एसएस दहिया शामिल थे।

थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह आत्महत्या मामले में महिला समेत तीन गिरफ्तार

डीआईजी की प्रेसवार्ता में हनीट्रैप और ब्लैकमेलिंग के कथित नेटवर्क का खुलासा, इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों में विजय प्रकाश की अंतिम कॉल का जिक्र

वेलकम इंडिया संवाददाता

बस्ती। वाल्टरगंज के तत्कालीन थानाध्यक्ष सूर्य प्रकाश सिंह की आत्महत्या के मामले में कोतवाली पुलिस ने महिला समेत तीन नामजद आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में प्रियंका चौधरी, उसके पिता रामनयन चौधरी और विजय प्रकाश शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से एक बोलेरो वाहन और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। रविवार को पुलिस उपमहानिरीक्षक बस्ती परिक्षेत्र संजीव त्यागी ने पुलिस अधीक्षक यशवीर सिंह के साथ पुलिस लाइन स्थित सभागार में प्रेसवार्ता कर मामले में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी दी। डीआईजी ने बताया कि सूर्य प्रकाश सिंह ने 29 अगस्त को बस्ती कलेक्ट्रेट परिसर स्थित अपने सरकारी आवास में फांसी लगाकर आत्महत्या की थी। मृतक के पुत्र संदीप सिंह की ओर से पांच सितंबर को दी गई तहरीर के आधार पर थाना कोतवाली बस्ती में मुकदमा अपराध संख्या 387/2026 धारा 108 और 3(5) बीएनएस के तहत प्रियंका चौधरी, रामनयन चौधरी और विजय प्रकाश के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।

पुलिस के अनुसार तीनों नामजद आरोपियों को छह सितंबर की सुबह 7:55 बजे सदर अस्पताल के सामने से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने इनके पास से बोलेरो संख्या यूपी 51 बीएन 5805 और तीन मोबाइल फोन बरामद किए। डीआईजी ने बताया कि जांच में प्रियंका चौधरी द्वारा लोगों को कथित रूप से हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल करने और धन की उगाही किए जाने की जानकारी सामने आई है। पुलिस के मुताबिक वीडियो कॉल, चैटिंग और अन्य माध्यमों से लोगों को जाल में फंसाकर उनके वीडियो और ऑडियो तैयार किए जाते थे। इसके बाद कथित तौर पर ब्लैकमेल कर रकम की मांग की जाती थी।

पुलिस का दावा है कि इस काम में प्रियंका के पिता रामनयन चौधरी और विजय प्रकाश भी सहयोग करते थे। जांच में अब तक चार लोगों को कथित रूप से हनीट्रैप में फंसाकर धन वसूली किए जाने की जानकारी मिली है। इनमें डॉ. उमेश से चार लाख, अहमद रजा से पांच लाख और आर्यन दीक्षित उर्फ जितेंद्र दीक्षित से 15 लाख रुपये की कथित वसूली का विवरण पुलिस ने बताया है। पुलिस के अनुसार इस कथित नेटवर्क के शिकार हुए अन्य लोगों के बारे में भी जांच की जा रही है। डीआईजी ने बताया कि करीब दो वर्ष पहले कथित तौर पर लोगों से रकम वसूलने के बाद प्रियंका ने बोलेरो वाहन खरीदा था। पुलिस का आरोप है कि बाद में वाहन चालक अहमद रजा को भी कथित हनीट्रैप के जरिए ब्लैकमेल कर धन की वसूली की गई। जांच में यह भी सामने आया कि प्रियंका और उसके पिता जिस मकान में किराये पर रहते थे, उसके मकान मालिक डॉ. उमेश को भी कथित तौर पर हनीट्रैप में फंसाकर ब्लैकमेल किया गया था।

डीआईजी के मुताबिक इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के विश्लेषण में सूर्य प्रकाश सिंह का संपर्क प्रियंका चौधरी और विजय प्रकाश से होने की पुष्टि हुई है। घटना वाले दिन के कॉलिंग पैटर्न को भी जांच में महत्वपूर्ण माना गया है। पुलिस के अनुसार विजय प्रकाश ने दोपहर 1:41 बजे सूर्य प्रकाश सिंह को अंतिम कॉल की थी। पुलिस का दावा है कि कथित प्रताड़ना से परेशान होकर सूर्य प्रकाश सिंह ने आत्महत्या की। हालांकि मामले में पुलिस की विवेचना अभी जारी है और अन्य संभावित आरोपियों तथा पीड़ितों के संबंध में भी जांच की जा रही है। प्रियंका चौधरी पत्नी महेंद्र चौधरी, निवासी बावनपार थाना पैकोलिया, हाल पता गंधार थाना वाल्टरगंज; रामनयन चौधरी पुत्र संपत चौधरी निवासी गंधार थाना वाल्टरगंज और विजय प्रकाश पुत्र भरतराम निवासी पिपरा काजी थाना पैकोलिया को गिरफ्तार किया गया है। कार्रवाई करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक बृजानंद सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार यादव, उपनिरीक्षक जयविंद सिंह, उपनिरीक्षक शेषनाथ यादव सहित सर्विलांस सेल और थाना कोतवाली बस्ती के पुलिसकर्मी शामिल रहे।

शिक्षक दिवस पर नगर क्षेत्र के दो पूर्व एआरपी रविंद्र कुमार चौधरी एवं बलवीर सिंह सम्मानित

वेलकम इंडिया संवाददाता

मथुरा। शिक्षक दिवस के अवसर पर बेसिक शिक्षा विभाग, मथुरा द्वारा डायट सभागार में आयोजित जनपद स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में नगर क्षेत्र मथुरा के दो पूर्व एआरपी (अकादमिक रिसोर्स पर्सन) एवं वर्तमान में प्रधान अध्यापक के रूप में कार्यरत रविंद्र कुमार चौधरी एवं बलवीर सिंह को उनके उत्कृष्ट शैक्षिक कार्यों एवं व्यक्तिगत विद्यालयी उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया गया। प्राथमिक विद्यालय गोविंदपुर के प्रधान अध्यापक रविन्द्र कुमार चौधरी ने विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण नामांकन में वृद्धि, विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर में सुधार, एफएलएन के प्रभावी क्रियान्वयन तथा विद्यालय में विभिन्न नवाचारों के माध्यम से शिक्षण-अधिगम को प्रभावी बनाने में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विद्यालय में आकर्षक एवं बालमैत्री वातावरण विकसित करने तथा समुदाय को विद्यालय से जोड़ने के उनके प्रयासों का सकारात्मक प्रभाव नामांकन एवं विद्यार्थियों की सहभागिता में दिखाई देता है। वहीं प्राथमिक विद्यालय कमला नेहरू कन्या के प्रधान अध्यापक बलवीर सिंह ने बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने, विद्यालय में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण व्यवस्था विकसित करने, विद्यार्थियों की शैक्षिक उपलब्धियों में वृद्धि तथा विद्यालय के समग्र विकास के लिए निरंतर प्रभावी प्रयास किए हैं। पूर्व एआरपी के रूप में उनका अकादमिक अनुभव भी विद्यालय के शैक्षिक उन्नयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दोनों शिक्षकों ने शिक्षक की पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़कर विद्यालय विकास, नवाचार, नामांकन वृद्धि, एफ एल एन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को अपनी कार्यशैली का आधार बनाया है। इसी उत्कृष्ट योगदान के फलस्वरूप शिक्षक दिवस पर उन्हें जनपद स्तरीय सम्मान प्राप्त हुआ।

बाढ़-कटान पर प्रभारी मंत्री ने कसी अधिकारियों की नकेल, बोले- लापरवाही बर्दाश्त नहीं

बाढ़ एवं नदी कटान की समस्या पर जताई चिंता

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। जनपद में बाढ़ एवं नदी कटान की समस्या को लेकर रविवार को निरीक्षण भवन में राज्य मंत्री कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान विभाग एवं जनपद के प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में बाढ़ की वर्तमान स्थिति, नदी कटान से प्रभावित क्षेत्रों तथा बाढ़ नियंत्रण के लिए संचालित और प्रस्तावित परियोजनाओं की विस्तार से समीक्षा की गई।प्रभारी मंत्री ने शारदा और देवहा नदी पर स्वीकृत परियोजनाओं तथा वर्तमान में कराए जा रहे कटान निरोधक कार्यों की जानकारी अधिकारियों से ली। अधिकारियों ने बताया कि जनपद में कुल 11 परियोजनाएं स्वीकृत हुई थीं, जिनके कार्य गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराए गए हैं। इन परियोजनाओं से बाढ़ एवं कटान नियंत्रण में प्रभावी परिणाम मिलने की बात कही गई।बैठक में नहरोसा, नौजल्हा नकटाह, खिरकिया, बरगदिया और नावकुण्ड समेत अन्य क्षेत्रों की स्थिति पर भी चर्चा हुई। बताया गया कि इन क्षेत्रों में परियोजनाएं स्वीकृत नहीं हुई थीं, लेकिन संवेदनशीलता को देखते हुए अनुरक्षण मद से आवश्यक सुरक्षात्मक एवं कटान निरोधक कार्य कराए गए हैं। प्रभारी मंत्री बलदेव सिंह औलख ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिन क्षेत्रों में नदी कटान गंभीर अथवा संवेदनशील स्थिति में है, वहां तत्काल प्रभाव से कटान निरोधक कार्य कराए जाएं। उन्होंने कहा कि बाढ़ और कटान प्रभावित क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।बैठक में भाजपा पदाधिकारियों ने नौजल्हा नकटाह और चंदिया हजारा में हो रहे नदी कटान की समस्या को प्रमुखता से उठाते हुए तत्काल प्रभावी सुरक्षा कार्य कराने का अनुरोध किया। प्रभारी मंत्री ने निर्देश दिए कि जनपद के सभी बाढ़ एवं कटान प्रभावित संवेदनशील स्थलों को चिन्हित कर प्राथमिकता के आधार पर परियोजनाएं तैयार की जाएं और उन्हें समय से उच्चाधिकारियों एवं शासन को भेजा जाए। उन्होंने कहा कि बाढ़ एवं कटान से जन-धन की सुरक्षा शासन की प्राथमिकता है और इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव मिश्रा, जिलाध्यक्ष गोकुल प्रसाद मौर्य, मुख्य विकास अधिकारी सतीश प्रसाद मिश्र, अपर जिलाधिकारी प्रसून द्विवेदी, सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता, बाढ़ खंड पूरनपुर के सहायक अभियंता सहित सभी उपजिलाधिकारी एवं संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

कीचड़ में धंसी गांव की राह, जलभराव ने बढ़ाई ग्रामीणों की मुश्किलें

राणा प्रताप नगर-नहरोसा मार्ग पर दो से तीन फीट पानी, स्कूली बच्चे परेशान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। पूरनपुर तहसील क्षेत्र के ट्रांस शारदा इलाके में लगातार हुई बारिश के बाद ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ग्राम राणा प्रताप नगर से नहरोसा गांव की ओर जाने वाला करीब एक से डेढ़ किलोमीटर लंबा मार्ग कीचड़ में तब्दील हो गया है। मार्ग पर जगह-जगह फिसलन होने के कारण पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों को रोजाना आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक नहरोसा जाने वाले एक मार्ग पर काफी लंबी दूरी तक करीब दो से तीन फीट पानी भरा हुआ है। उनका कहना है कि बरसात के मौसम में हर वर्ष करीब दो से ढाई महीने तक इस मार्ग पर जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इसके चलते ग्रामीणों को आवागमन के लिए दूसरे रास्ते का सहारा लेना पड़ता है, लेकिन बारिश के कारण दूसरा मार्ग भी कीचड़ और फिसलन से बेहद खराब हो गया है। स्कूली बच्चों की बढ़ी परेशानीबदहाल मार्ग का सबसे अधिक असर स्कूली बच्चों पर पड़ रहा है। बच्चों को प्रतिदिन स्कूल आने-जाने के दौरान कीचड़ और जलभराव से होकर गुजरना पड़ता है। कई स्थानों पर रास्ता इतना फिसलन भरा है कि बच्चों के गिरने का खतरा बना रहता है। कई बार कपड़े कीचड़ में खराब हो जाने से बच्चों और अभिभावकों को परेशानी उठानी पड़ती है। शनिवार को मार्ग की बदहाल स्थिति से परेशान ग्रामीणों ने कीचड़युक्त रास्ते पर विरोध प्रदर्शन कर प्रशासन के खिलाफ नाराजगी जताई। नहरोसा निवासी विजय पाल ने बताया कि बारिश होते ही राणा प्रताप नगर से नहरोसा जाने वाला रास्ता पूरी तरह खराब हो जाता है। जलभराव और कीचड़ के कारण ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों को भी भारी परेशानी होती है। प्रदर्शन के दौरान विजयपाल, सतबीर सिंह, करन, इकबाल, अनमोल, अश्विनी, विनोद कुमार, शियाराम, रामपाल समेत कई ग्रामीण मौजूद रहे।

गोवंश ने राहगीर को मारी टक्कर, गंभीर हालत

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के कैराना मार्ग स्थित सरकारी अस्पताल के निकट सड़क से गुजर रहे एक राहगीर को आवारा गोवंश ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से राहगीर सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया।घायल की पहचान गांव अंबेहटा निवासी अफजाल के रूप में हुई। सरकारी अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद उसकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। सरकारी अस्पताल के चिकित्सक डॉ. वीरेंद्र सिंह ने बताया कि घायल की स्थिति गंभीर होने के कारण उसे जिला अस्पताल भेजा गया है।समाजसेवी इसराइल मंसूरी ने बताया कि क्षेत्र में आवारा गोवंश पहले भी कई लोगों को चोटिल कर चुके हैं। उन्होंने जिला प्रशासन से अभियान चलाकर आवारा गोवंश को पकड़कर गोशाला भेजने की मांग की है।

16 सितंबर को होगा धौलीनाग महोत्सव का आयोजन

कांडा (वेलकम इंडिया)। धौलीनाग मंदिर परिसर में ऋषि पंचमी के अवसर पर 16 सितंबर को एक दिवसीय धौलीनाग महोत्सव का भव्य आयोजन होगा। महोत्सव को भव्य बनाने हेतु महोत्सव समिति ने तैयारियों को लेकर बैठक कर इसकी रूपरेखा तैयार की। धौलीनाग मंदिर समिति और श्री धौलीनाग महोत्सव समिति ने महोत्सव की तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर मंदिर परिसर में समिति की बैठक हुई, जिसमें कार्यक्रम की रूपरेखा और व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण धपोला की अध्यक्षता में हुई बैठक में तय किया गया कि महोत्सव के दिन सुबह नौ बजे देवी मंदिर से भव्य कलश यात्रा निकाली जाएगी, जो धौलीनाग मंदिर पहुंचेगी। इसके बाद धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। स्कूली बच्चे रंगारंग प्रस्तुतियां देंगे। लोक कलाकार माया उपाध्याय, जितेंद्र तोमक्याल, पूरन राठौर और मोहित रौतेला भी प्रस्तुति देंगे। कार्यक्रम शाम चार बजे तक चलेगा।महोत्सव में सामूहिक खीर का भोग तैयार किया जाएगा। इसके लिए क्षेत्र की 18 ग्राम पंचायतों से करीब 300 लीटर दूध एकत्र किया जाएगा। तैयार खीर श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में वितरित की जाएगी। समिति ने इसे क्षेत्र की धार्मिक आस्था और सामाजिक एकता से जुड़ी महत्वपूर्ण परंपरा बताया। महोत्सव में स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए विभिन्न स्टॉल लगाए जाएंगे। क्षेत्रीय उत्पादों के साथ बाहरी दुकानदारों को भी दुकानें लगाने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। बैठक में सुरक्षा, पुलिस बल, स्वास्थ्य विभाग की टीम, पेयजल और विद्युत व्यवस्था समेत अन्य तैयारियां समय पर पूरी करने पर भी चर्चा हुई। जिला और तहसील प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, कलाकारों व दुकानदारों को आमंत्रित करने का निर्णय लिया गया। धौलीनाग मंदिर समिति के अध्यक्ष भवान सिंह धपोला ने क्षेत्रवासियों से महोत्सव को सफल बनाने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि धौलीनाग महोत्सव क्षेत्र की धार्मिक आस्था, संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक है। सभी के सहयोग से इस परंपरा को आने वाली पीढ़ियों तक जीवंत रखा जा सकता है। बैठक का संचालन समिति के सचिव हयात धपोला ने किया। इस दौरान ग्राम प्रधान धपोलासेरा योगेश धपोला, भदौरा के प्रधान गौरव धपोला, कोषाध्यक्ष अनिल धपोला, पूर्व प्रधान भवान सिंह धपोला, प्रयाग सिंह भंडारी, इंद्रपाल धपोला, अनिल चंदोला, कुंदन सिंह धपोला समेत समिति के पदाधिकारी, सदस्य और मंदिर के पुजारी मौजूद रहे।

संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर मंच की बैठक

कांधला। भारतीय अल्पसंख्यक राजनीतिक चेतना मंच की बैठक मोहल्ला शेखजादगान स्थित कैंप कार्यालय पर हुई। बैठक में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने, आगामी अक्टूबर माह में गांधी जयंती के अवसर पर सदस्यता अभियान चलाने तथा आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर चर्चा की गई।राष्ट्रीय संयोजक शकैब जावेद अख्तर ने कहा कि किसी भी संगठन की ताकत उसके कार्यकर्ता और मजबूत संगठनात्मक ढांचे में होती है। उन्होंने कहा कि मंच का उद्देश्य चुनावी गतिविधियों तक सीमित न रहकर लोगों में राजनीतिक जागरूकता पैदा करना भी है। राष्ट्रीय अध्यक्ष इरफान ने संगठन को बूथ एवं वार्ड स्तर तक मजबूत करने और अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की बात कही। बैठक में 2027 विधानसभा और 2028 निकाय चुनाव को लेकर भी रणनीति पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान शाहिद राना सादिक, अकबर, महताब जंग, अजमल बेग, रिजवान खान, जावेद खान, अनीस सिद्दीकी सहित कई पदाधिकारी मौजूद रहे।

बाढ़ को लेकर ग्रामीणों को किया जागरूक, अधिक पानी में नाव चलाने से किया मना

वेलकम इंडिया संवाददाता

कलीनगर/पीलीभीत। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए कलीनगर उपजिलाधिकारी प्रमेश कुमार ने रविवार को तहसील क्षेत्र के गांव नगरिया खुर्द कला में पहुंचकर ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने ग्रामीणों से नदी और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने की अपील की।एसडीएम ने कहा कि अधिक पानी होने की स्थिति में ग्रामीण नदी में नाव न चलाएं और न ही नदी के आसपास ऐसे स्थानों पर जाएं, जहां पानी का बहाव तेज हो। उन्होंने बच्चों और बुजुर्गों को विशेष रूप से नदी व जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रखने की सलाह दी। साथ ही किसी भी आपात स्थिति में प्रशासन को तत्काल सूचना देने को कहा।इस दौरान ग्राम प्रधान, रमनगरा चौकी इंचार्ज रमनगरा तथा एसएसबी के जवान मौजूद रहे। अधिकारियों ने ग्रामीणों से बाढ़ के दौरान प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करने और सुरक्षित स्थानों पर रहने की अपील की।

9 सितंबर को न्यूरिया में जुटेगा किसानों का हुजूम, जितिन प्रसाद का होगा भव्य अभिनंदन

वेलकम इंडिया पीलीभीत

न्यूरिया/पीलीभीत। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत एपीडा द्वारा बासमती आयात-निर्यात एवं प्रोत्साहन संस्थान को भारत सरकार की स्वीकृति मिलने के बाद निर्माण कार्य शुरू होने पर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है।इसके उपलक्ष्य में 9 सितंबर को न्यूरिया के राजकीय इंटर कॉलेज मैदान में आभार समारोह आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में किसान, मजदूर और व्यापारी पहुंचकर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद का आभार व्यक्त करेंगे। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री कृषि सूर्य प्रताप शाही भी सहभागिता करेंगे।कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने शनिवार को राजकीय इंटर कॉलेज न्यूरिया पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों और आयोजन से जुड़े लोगों के साथ कार्यक्रम स्थल पर मंच, बैठने, पेयजल, सुरक्षा सहित अन्य व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी सतीश मिश्रा, डीपीआरओ, उप निदेशक कृषि, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता राजेश चौधरी सहित वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अधिकारी मौजूद रहे। इसके अलावा न्यूरिया मंडल अध्यक्ष महेंद्र पाल राजपूत, औरैया जनकपुरी के प्रधान पति प्रेम शंकर लोधी, भरतपुर के प्रधान मनोज गोलदार, न्यूरिया कॉलोनी के प्रधान विश्वनाथ सरकार, कृष्णा राजपूत समेत अन्य लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए किसान नेता देवस्वरूप पटेल ने क्षेत्र के भरतपुर, न्यूरिया कॉलोनी, वस्थना, मैदना, औरैया जनकपुरी, भमोरा, सेमपुर, बिथरा, मंडरिया, उलाहतापुर, गोहर, हरकिशनापुर, न्यूरिया, हुसैनपुर दक्षिणी, बरी और अलीगंज समेत दर्जनों गांवों का भ्रमण किया। उन्होंने ग्रामीणों से 9 सितंबर को सुबह 10 बजे तक राजकीय इंटर कॉलेज मैदान न्यूरिया पहुंचने और अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

बच्चों के मामूली विवाद में महिला से मारपीट, ईंट मारकर घायल करने का लगाया आरोप

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। कस्बे के मोहल्ला रायजादगान निवासी रेखा ने पड़ोस की दो युवतियों पर घर में घुसकर गाली-गलौज व मारपीट करने तथा ईंट मारकर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित महिला ने आरोपियों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है पुलिस जांच में जुटी हुई है। रविवार को पीड़ित महिला रेखा ने बताया कि उसके बच्चों के बीच मामूली विवाद हो रहा था। इसी दौरान पड़ोस की दोनों युवतियां उसके घर में घुस आईं और उसके साथ मारपीट कर दी। घटना में महिला घायल हो गई। पीड़िता ने डाक्टरी परीक्षण कराने के बाद थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक बच्चू सिंह ने बताया कि तहरीर मिली है और घायल महिला का डाक्टरी परीक्षण कराया गया है। मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

बारिश से राहुल नगर मजदूर बस्ती जलमग्न, घरों में घुसा पानी

घरों में पानी भरने से ग्रामीणो के साथ पशु भी बेहाल, ग्रामीणों में आक्रोश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। लगातार हो रही बारिश ने राहुल नगर स्थित मजदूर बस्ती के लोगों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश का पानी बस्ती में भर जाने से दर्जनों परिवारों के घरों में पानी घुस गया है।इससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। घरों में पानी भरने के कारण जहां घरेलू सामान खराब होने का खतरा बना हुआ है, वहीं रहने और खाना बनाने तक में लोगों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं।बस्ती में जलभराव की स्थिति से ग्रामीणो के साथ-साथ पशु भी बेहाल हैं। लोगों ने अपने पशुओं को सुरक्षित स्थान पर बांधने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। पानी भरा होने के कारण पशुओं के चारे और उन्हें बाहर निकालने में भी परेशानी हो रही है। लगातार बारिश के चलते जलस्तर बढ़ने से लोगों में चिंता बनी हुई है। बताया गया कि आक्रोश, भारती, सियाराम, रामचंद्र, सुरेश, चंद्रभान, बालेसर, सुखलाल समेत कई लोगों के घरों में बारिश का पानी घुस गया है। पीड़ित परिवारों का कहना है कि मजदूर बस्ती में जल निकासी की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण बारिश के दौरान हर बार ऐसी स्थिति पैदा हो जाती है। पानी निकासी की समस्या का स्थायी समाधान नहीं होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है।ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल मौके पर पहुंचकर जलभराव की समस्या का जायजा लेने और पानी की निकासी कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि यदि समय रहते पानी नहीं निकाला गया तो बीमारी फैलने का खतरा भी बढ़ सकता है। जलभराव के कारण बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक परेशानी हो रही है।बस्ती के लोगों ने प्रशासन से नालियों की सफाई कराने, जल निकासी की स्थायी व्यवस्था कराने तथा प्रभावित परिवारों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की मांग की है। बारिश के बीच घरों में पानी भरने से लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय लोगों ने जल्द कार्रवाई नहीं होने पर समस्या को लेकर अधिकारियों के समक्ष शिकायत दर्ज कराने की बात कही है।

सपा नेता के आवास पर अधिवक्ताओं का सम्मान, संगठन मजबूती संकल्प

नवमनोनीत अधिवक्ता सभा पदाधिकारियों ने जताया आभार

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक के बाद समाजवादी अधिवक्ता सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समाजवादी युवजन सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार 'राजू' के निवास पर आयोजित हुआ। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सयुस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार 'राजू' मौजूद रहे। उनके साथ पूर्व विधायक अरशद खां, पूर्व जिलाध्यक्ष उमाशंकर यादव, नवमनोनीत प्रदेश सचिव समाजवादी अधिवक्ता सभा एडवोकेट शिव शर्मा, मुकेश गुप्ता एडवोकेट, पूर्व महामंत्री एडवोकेट शिवराम शांडिल्य, पूर्व अध्यक्ष एडवोकेट अमिताभ मिश्रा, डीपी यादव, अनूप यादव, नोमान अली वारसी, एडवोकेट हाशिम अली, एडवोकेट फिरोज, खुर्शीद सहित बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।कार्यक्रम में नवमनोनीत पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। इस दौरान अधिवक्ताओं ने संगठन को मजबूत करने और समाज के हित में कानूनी एवं जनहित के मुद्दों पर सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। समारोह में मौजूद एक अधिवक्ता को भी सम्मानित किया गया।

मुख्य अतिथि राजकुमार 'राजू' ने कहा कि पूरनपुर विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक में शामिल होने के बाद समाजवादी अधिवक्ता सभा के नवमनोनीत पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में उपस्थित होकर साथियों का स्वागत एवं सम्मान करने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। शिक्षक दिवस पर सभी शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की गई। सम्मानित अधिवक्ताओं ने आयोजकों का आभार जताते हुए कहा कि मिला सम्मान उनके लिए प्रेरणा का स्रोत है। कार्यक्रम के दौरान अधिवक्ताओं ने एक-दूसरे को बधाई देते हुए संगठन की मजबूती के लिए मिलकर कार्य करने पर जोर दिया।

बारिश ने छीना गरीब परिवार का आशियाना, भरभराकर गिरा मकान

ग्राम खाता में शुभम कुमार का मकान ध्वस्त, पूरा परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। लगातार हो रही बारिश ग्रामीण इलाकों में लोगों के लिए मुसीबत बनती जा रही है। ग्राम खाता में बारिश के चलते शुभम कुमार पुत्र लालता प्रसाद का पूरा पक्का मकान अचानक भरभराकर गिर गया। मकान गिरने से परिवार के सामने रहने और खाने-पीने की गंभीर समस्या खड़ी हो गई है। गनीमत रही कि हादसे के दौरान परिवार के सभी सदस्य सुरक्षित बच गए, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया।बताया जा रहा है कि लगातार हो रही बारिश के कारण मकान की दीवारों और छत में नमी बढ़ गई थी। बारिश के बीच अचानक मकान का ढांचा कमजोर होकर गिर गया। देखते ही देखते परिवार की वर्षों की मेहनत से बनाया गया आशियाना मलबे में तब्दील हो गया। मकान में रखा घरेलू सामान भी मलबे में दबकर क्षतिग्रस्त होने की आशंका है।मकान गिरने के बाद शुभम कुमार का पूरा परिवार बेघर हो गया है। परिवार के सामने अब बारिश के मौसम में सिर छिपाने के लिए सुरक्षित स्थान की समस्या खड़ी हो गई है। पीड़ित परिवार ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से तत्काल मदद की गुहार लगाई है।ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण क्षेत्र में कई कच्चे और जर्जर मकानों पर खतरा मंडरा रहा है। ऐसे में प्रशासन को गांवों में क्षतिग्रस्त मकानों का सर्वे कराकर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता उपलब्ध करानी चाहिए। पीड़ित परिवार ने मांग की है कि राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर मकान के नुकसान का आकलन करे और शासन की ओर से मिलने वाली आपदा राहत राशि उपलब्ध कराई जाए। साथ ही परिवार के रहने के लिए तत्काल अस्थायी व्यवस्था की जाए, ताकि बारिश के दौरान उन्हें किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।मकान गिरने की घटना के बाद से परिवार सदमे में है। ग्रामीणों ने भी प्रशासन से पीड़ित परिवार की स्थिति को देखते हुए जल्द से जल्द मदद पहुंचाने की मांग की है।

झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश का आरोप, युवक ने सुरक्षा की लगाई गुहार

कांधला। कस्बे के मोहल्ला डंगडूगरा निवासी सहजाद ने मुख्यमंत्री पोर्टल के साथ-साथ थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए एक महिला पर उसे झूठे मुकदमे में फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने शिकायत में बताया कि महिला द्वारा उसके विरुद्ध गलत आरोप लगाकर कानूनी कार्रवाई कराने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे वह मानसिक रूप से परेशान है। आरोप है कि उसके खिलाफ साजिश के तहत झूठे मुकदमे में फंसाने की तैयारी की जा रही है। आरोपी महिला बच्चा चोर है और बच्चा चोरी करने के मामले में भी जेल जा चुकी है। उसने पुलिस अधिकारियों से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सच्चाई सामने लाने तथा झूठे आरोपों से बचाने की मांग की है। साथ ही पीड़ित ने स्वयं और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर भी पुलिस से गुहार लगाई है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। जांच कर्ता उपनिरीक्षक रामकिशन ने बताया कि पीड़ित की शिकायत मिली थी जिसका निस्तारण करा दिया गया है।

सीसीटीवी कैमरों से लैस होगा पिशाचमोचन कुंड, बनेगा ओपन जिम

नगर आयुक्त ने तीन पौराणिक कुंडों का किया निरीक्षण, अधूरे कार्य जल्द पूरा करने के निर्देश

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। शहर के पौराणिक जलस्रोतों, तालाबों, कुंडों और कुओं के संरक्षण एवं सुंदरीकरण को लेकर नगर निगम ने कवायद तेज कर दी है। जलस्रोतों के अस्तित्व को बचाने के साथ उनके पानी की सफाई, शोधन और परिसर के सुंदरीकरण पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी क्रम में रविवार को नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने पिशाचमोचन कुंड, पितरकुंडा तालाब और राम कुंड तालाब का स्थलीय निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने तीनों स्थानों पर चल रहे निर्माण एवं सुंदरीकरण कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी अधूरे कार्यों को जल्द से जल्द पूरा करने के निर्देश दिए। पिशाचमोचन कुंड की सुरक्षा और आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए यहां सीसीटीवी कैमरे, प्रकाश व्यवस्था और खुले व्यायाम स्थल की सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए गए। नगर आयुक्त ने पिशाचमोचन कुंड परिसर में पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था के साथ सीसीटीवी कैमरे लगाने को कहा, ताकि परिसर की सुरक्षा व्यवस्था मजबूत हो सके। इसके अलावा लोगों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए कुंड के किनारे खुले व्यायाम स्थल का निर्माण कराने के निर्देश दिए गए। इससे स्थानीय लोगों और कुंड पर आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकेंगी। राम कुंड परिसर के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने पूर्व में क्षतिग्रस्त हुई दीवार के स्थान पर मजबूत आरसीसी दीवार का निर्माण कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही क्षतिग्रस्त रेलिंग की मरम्मत और परिसर में रंग-रोगन का कार्य कराने को कहा गया। अधिकारियों को निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए। पितरकुंडा तालाब के निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त ने यहां भव्य प्रवेश द्वार बनाने के निर्देश दिए। साथ ही रेलिंग लगाने, रंग-रोगन कराने और पूरे परिसर में नियमित साफ-सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि पौराणिक जलस्रोतों की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को ध्यान में रखते हुए विकास कार्य कराए जाएं। नगर निगम की इस पहल से इन पौराणिक स्थलों की धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान को संरक्षित करने के साथ स्थानीय लोगों को भी बेहतर सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। कुंडों के आसपास स्वच्छता, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था बेहतर होने से श्रद्धालुओं और पर्यटकों की आवाजाही भी सुविधाजनक होगी। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि निर्माण कार्यों के दौरान स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जाए। नियमित सफाई के साथ जलस्रोतों में गंदगी न पहुंचे, इसके लिए भी प्रभावी व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। नगर निगम की ओर से शहर के अन्य प्राचीन जलस्रोतों की स्थिति का भी आकलन किया जा रहा है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि ऐसे सभी स्थानों को चिन्हित कर वहां आवश्यकता के अनुसार सफाई, जलशोधन, प्रकाश, सुरक्षा और सुंदरीकरण के कार्य कराए जाएं। नगर निगम का उद्देश्य केवल इन स्थलों को सुंदर बनाना ही नहीं, बल्कि इनके मूल स्वरूप और धार्मिक महत्व को बनाए रखते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखना है। स्थानीय नागरिकों से भी जलस्रोतों को स्वच्छ रखने और इनके आसपास कूड़ा न फेंकने की अपील की जाएगी। इससे संरक्षण अभियान को जनसहयोग भी मिल सकेगा। नगर आयुक्त ने कहा कि शहर के पौराणिक जलस्रोत हमारी ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत हैं। इनके संरक्षण के साथ परिसर को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए नगर निगम लगातार प्रयास कर रहा है।

बामनपुर में श्री राधा-कृष्ण प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा, निकली भव्य शोभायात्रा

वेलकम इंडिया संवाददाता

अहार। क्षेत्र के गांव बामनपुर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर मंदिर में श्री राधा-कृष्ण की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा विधि-विधान से की गई। इससे पूर्व श्रद्धालुओं ने श्री राधा-कृष्ण प्रतिमा की कलश यात्रा निकाली, जो गांव के प्रमुख मार्गों से होते हुए मंदिर परिसर पहुंची। शोभायात्रा का जगह-जगह श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा कर भव्य स्वागत किया। प्राण प्रतिष्ठा के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में समाजसेवी राहुल लोधी, योगेंद्र सिंह, प्रताप सिंह, नारायण दत्त शर्मा, रोहताश सिंह समेत सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

सांडों की लड़ाई से मची अफरा-तफरी, राहगीरों और दुकानदारों ने भागकर बचाई अपनी जान

वेलकम इंडिया संवाददाता

पहासू। बुलंदशहर के पहासू कस्बे में दो सांडों के बीच हुई लड़ाई का लाइव वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो नगर पंचायत पहासू के गुल्लक बाजार, पहासू-अहमदगढ़ मार्ग का बताया जा रहा है। वीडियो में दोनों सांड सड़क पर आपस में भिड़ते नजर आ रहे हैं। सांडों की लड़ाई के बीच राहगीरों और दुकानदारों में अफरा-तफरी मच गई। अपनी सुरक्षा के लिए लोग इधर-उधर भागते दिखाई दिए। गनीमत रही कि घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। वीडियो वायरल होने के बाद नगर पंचायत पहासू की व्यवस्थाओं पर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में आवारा पशुओं की समस्या बनी हुई है। ऐसे में यदि सांडों की लड़ाई के दौरान कोई राहगीर गंभीर रूप से घायल हो जाए तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? स्थानीय लोगों ने नगर पंचायत प्रशासन से आवारा पशुओं पर प्रभावी कार्रवाई करने और बाजार व मुख्य मार्गों पर ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने की मांग की है।

कुलपति बिहारी लाल शर्मा से संपूर्णानंद पांडेय ने की शिष्टाचार भेंट

सनातन परंपरा और संस्कृत भाषा के संरक्षण व संवर्धन पर हुआ सार्थक विमर्श

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय सचिव संपूर्णानंद पांडेय और डॉ. अमित तिवारी ने संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति बिहारी लाल शर्मा से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने पुनः कुलपति का दायित्व संभालने पर उनका अभिनंदन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया। भेंट के दौरान भारतीय संस्कृति, संस्कृत भाषा और सनातन परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन को लेकर सार्थक चर्चा हुई। संस्कृत को भारतीय संस्कृति और परंपराओं की महत्वपूर्ण आधारशिला बताते हुए इसके प्रचार-प्रसार तथा नई पीढ़ी को इससे जोड़ने की आवश्यकता पर विचार-विमर्श किया गया। संपूर्णानंद पांडेय ने कहा कि गुरु का आशीर्वाद सदैव अपने शिष्य पर बना रहता है। उन्होंने कुलपति बिहारी लाल शर्मा के पुनः दायित्व संभालने पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में विश्वविद्यालय शिक्षा, संस्कृत भाषा और भारतीय संस्कृति के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल करेगा। डॉ. अमित तिवारी ने भी कुलपति के प्रति सम्मान एवं शुभेच्छाएं व्यक्त कीं। उन्होंने विश्वविद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामना करते हुए कहा कि गुरु का आशीर्वाद सदैव प्राप्त होता रहे, यही ईश्वर से प्रार्थना है। इस दौरान संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार और सनातन संस्कृति के संरक्षण को लेकर आगे भी निरंतर प्रयास करने पर जोर दिया गया।

बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप, रामघाट थाने में रिपोर्ट दर्ज

रामघाट/बुलंदशहर। थाना रामघाट क्षेत्र में एक व्यक्ति ने अपनी 16 वर्षीय बेटी को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित पिता की तहरीर पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार, पीड़ित की पत्नी और बेटी कुछ समय से लुधियाना में रह रही थीं। आरोप है कि बेटी का संपर्क उन्नाव जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र के एक युवक से हुआ। जानकारी होने पर मां ने बेटी को अपने मायके रामघाट क्षेत्र के पैसरी गांव में भेज दिया था। आरोप है कि 30 अगस्त 2026 को करीब 10 बजे युवक पैसरी पहुंचा और नाबालिग को अपने साथ ले गया। शिकायतकर्ता के मुताबिक, बेटी अपने साथ करीब एक तोला सोने की जंजीर, एक जोड़ी कुंडल और करीब पांच हजार रुपये भी ले गई। पीड़ित पिता ने थाना रामघाट पुलिस से बेटी की बरामदगी और आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

यूजीसी के कथित काले कानूनों की वापसी और आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर किया गया प्रदर्शन

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। यूजीसी से संबंधित नियमों की वापसी और आरक्षण व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर वाराणसी के शास्त्री घाट, वरुणा नदी के तट पर हिंदू युवा शक्ति का आंदोलन जारी है। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्भय क्रांति के नेतृत्व में 29 अगस्त से चल रहे इस आंदोलन को सर्व समाज, छत्तीस बिरादरियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों का समर्थन मिलने का दावा किया गया है। आंदोलन के क्रम में पांच सितंबर को शास्त्री घाट पर विशाल महासभा का आयोजन किया गया। महासभा का मुख्य उद्घोष 'विजय या वीरगति' रखा गया। आयोजकों ने दावा किया कि पांच सितंबर को शास्त्री घाट को भारत का दूसरा जंतर-मंतर बनाने का संकल्प लिया गया। महासभा के दौरान आंदोलन की आगामी दिशा और रणनीति पर विस्तृत चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि संगठन अपनी मांगों को केंद्र सरकार तक प्रभावी तरीके से पहुंचाने के साथ लोकतांत्रिक और संवैधानिक माध्यमों से सरकार पर दबाव बनाएगा, ताकि संबंधित मांगों पर जल्द निर्णय हो सके। महासभा में आरक्षण व्यवस्था में सुधार और यूजीसी से जुड़े नियमों को वापस लेने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। वक्ताओं ने कहा कि मांगों को लेकर आंदोलन को आगे भी शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से जारी रखा जाएगा। महासभा का नेतृत्व हिंदू युवा शक्ति के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास सिंह और प्रवीण दुबे हिंदू ने किया। कार्यक्रम में अधिवक्ता अंबरीश सिंह, अधिवक्ता विवेक सिंह, अधिवक्ता शैलेंद्र सिंह, शेर बहादुर सिंह, विनय, राजन सिंह, गौरव, शिवम पांडे राणा, रणजीत सिंह, राजर्षि सोनी, अविनाश मिश्रा, गौतम मिश्रा बल्लू, बृजेश मिश्रा, कैप्टन सतीश चौबे, प्रदीप सिंह दुलदुल, सनोज यादव, हिमांशु सिंह, सूर्यकांत शर्मा, आदर्श चौबे और हर्ष तिवारी सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

विधायक अनिल शर्मा की श्रद्धांजलि सभा में उमड़ा राजनेताओं का हुजूम, कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य और सुनील शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

शिकारपुर। रविवार को शिकारपुर विधायक एवं उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व राज्यमंत्री रहे अनिल शर्मा की श्रद्धांजलि सभा में भाजपा के वरिष्ठ नेताओं और कार्यकर्ताओं का जमावड़ा लगा रहा। अवंतिका बैंक्विट रिजॉर्ट रानऊ में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में उत्तर प्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने पहुंचकर अनिल शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। बेबी रानी मौर्य ने कहा कि अनिल शर्मा चार बार विधायक रहे और उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। उनके निधन से भाजपा और उनके परिवार को अपूरणीय क्षति हुई है, जिसकी भरपाई कोई नहीं कर सकता। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री एवं साहिबाबाद विधायक सुनील कुमार शर्मा ने भी श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर अनिल शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित किए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। श्रद्धांजलि सभा में पूरे दिन राजनेताओं, जनप्रतिनिधियों, भाजपा नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं का पहुंचना जारी रहा। लोगों ने दिवंगत अनिल शर्मा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी और परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

पीडीए संकल्प समारोह में सामाजिक न्याय, समानता और शिक्षक हितों की आवाज बुलंद

लाल बिहारी यादव के समर्थन में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की चुनावी समीक्षा बैठक, शिक्षकों की समस्याओं के समाधान का लिया संकल्प

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के अधिकृत प्रत्याशी लाल बिहारी यादव के समर्थन में समाजवादी अल्पसंख्यक सभा की ओर से चुनावी तैयारी एवं समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस दौरान पीडीए संकल्प समारोह भी आयोजित हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में शिक्षक, शिक्षाविद, सामाजिक कार्यकर्ता, पार्टी पदाधिकारी और समर्थक शामिल हुए। कार्यक्रम का आयोजन समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के महानगर अध्यक्ष मोहम्मद हैदर 'गुड्डू' और प्रदेश सचिव अब्दुल कलाम आजाद के नेतृत्व में किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी ने कहा कि आगामी शिक्षक और स्नातक खंड चुनाव को लेकर भाजपा चिंतित है। उन्होंने कहा कि भाजपा चुनाव को प्रभावित करने के लिए तरह-तरह के हथकंडे अपना सकती है, लेकिन यदि समाजवादी कार्यकर्ता मतदाताओं से लगातार संपर्क कर मतदान केंद्रों तक उन्हें पहुंचाने में सफल रहे तो भाजपा को निश्चित रूप से हार का सामना करना पड़ेगा।

विशिष्ट अतिथि पूर्व महापौर प्रत्याशी डॉ. ओपी सिंह और सपा के पूर्व महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा ह्यविश्वकर्माह्ल ने कहा कि शिक्षा केवल बच्चों को पढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि शिक्षक समाज और राष्ट्र की आने वाली पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। ऐसे में शिक्षकों को सम्मान और बेहतर कार्य वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी है। पूर्व विधायक राबिया कलाम ने कहा कि शिक्षकों का सम्मान केवल शिक्षक दिवस पर सम्मानित करने तक सीमित नहीं होना चाहिए। उनके अधिकारों, सम्मान, सेवा सुरक्षा और भविष्य की चिंता भी सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक लंबे समय से कई समस्याओं से जूझ रहे हैं। पुरानी पेंशन योजना, वित्तविहीन शिक्षकों की समस्याएं, सेवा संबंधी विसंगतियां, पदोन्नति और वेतन से जुड़ी समस्याएं सहित कई जायज मांगें लंबे समय से लंबित हैं। सरकार को इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए स्थायी समाधान करना चाहिए।

वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी शिक्षकों, कर्मचारियों, युवाओं, किसानों, पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों और समाज के सभी वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर शिक्षकों की जायज समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाएगा। पुरानी पेंशन योजना समेत शिक्षक हितों से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रभावी निर्णय लेने का भी आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए समाजवादी अल्पसंख्यक सभा के महानगर अध्यक्ष हैदर 'गुड्डू' ने कहा कि पीडीए केवल राजनीतिक शब्द नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समान भागीदारी और सम्मान का संकल्प है। समाज के प्रत्येक वर्ग को उसकी जनसंख्या के अनुपात में सम्मान और भागीदारी मिले, यही समाजवादी विचारधारा का मूल उद्देश्य है।

दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी किशन दीक्षित ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था किसी भी प्रदेश की प्रगति की आधारशिला होती है। यदि शिक्षक सुरक्षित, सम्मानित और अपने भविष्य को लेकर आश्वस्त होगा तो वह पूरी ऊर्जा के साथ विद्यार्थियों और राष्ट्र निर्माण में योगदान देगा। उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सम्मान और अधिकारों की रक्षा समाजवादी पार्टी की प्राथमिकताओं में शामिल है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने शिक्षकों और समाजवादी कार्यकर्ताओं से आगामी विधान परिषद शिक्षक चुनाव में एकजुट होकर समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी लाल बिहारी यादव को मजबूत करने का आह्वान किया। वक्ताओं ने सामाजिक न्याय, समानता और विकास की विचारधारा को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने की अपील की। कार्यक्रम का संचालन मन्नू अंसारी ने किया। इस अवसर पर लक्ष्मीकांत मिश्रा उर्फ 'किशमिश गुरु', पूर्व विधायक अब्दुल समद अंसारी, विष्णु शर्मा 'विश्वकर्मा', किशन दीक्षित, वरिष्ठ नेता इस्तकबाल कुरैशी, पूर्व विधायक राबिया कलाम, कैंट की पूर्व प्रत्याशी पूजा यादव, बुनकर नेता एवं स्नातक खंड चुनाव के सहप्रभारी अनवारूल हक अंसारी, भीष्म नारायण यादव, शमीम अंसारी, जीशान कलाम, पूर्व पार्षद इरशाद अहमद, पार्षद मुमताज खान, अरविंद सिंह, संजय सोनकर, पूर्व पार्षद सैयद नईम खान, मोतीलाल यादव, अजहर उर्फ गुड्डू मास्टर, रूप नारायण पटेल, अवधेश अंबेडकर, जावेद अंसारी, डॉ. आलम, सपा नेत्री रूबी खान और पूजा सिंह सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं समर्थक मौजूद रहे।

मोदी कॉलेज में शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त शिक्षकों को किया गया सम्मानित

एक अच्छा शिक्षक सिर्फ ज्ञान नहीं देता वह बेहतर इंसान बनाता है: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज में महान शिक्षाविद एवं पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की जयंती के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। यह आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल के प्रेरणादायी मार्गदर्शन एवं कुशल नेतृत्व में संपन्न हुआ।

समारोह के दौरान विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए जीवन मूल्यों, शिक्षक दिवस के महत्व एवं शिक्षक की भूमिका पर अपने विचार विभिन्न माध्यमों से व्यक्त किए। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश अग्रवाल ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को नमन करते हुए शिक्षकों के प्रति अपना सम्मान एवं आभार व्यक्त किया तथा उनके समर्पण और मेहनत की सराहना की और विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं को प्रेरित करते हुए उन्हें उचित मार्गदर्शन एवं दिशा प्रदान करते हैं।

उनके कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यालय निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। सेवा निवृत्त शिक्षकों ने भी सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा अपने प्रेरणादायक शब्दों से उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक केवल विद्यार्थियों को शिक्षा ही नहीं देता, बल्कि उनके व्यक्तित्व, संस्कार एवं भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। संचालन श्री प्रवीण जेनर ने किया।समारोह का वातावरण आत्मीयता, सम्मान एवं उत्साह से भरपूर रहा।

प्रधानाचार्य और राजकुमार सिंह और तेजपाल सिंह ने सभी सेवानिवृत्त अध्यापकों समय सिंह सिसोदिया, रविंद्र कुमार शर्मा, सुखपाल सिंह, सुखबीर सिंह, आरके नारायण, खंडेलवाल, जगदीश प्रसाद, जल सिंह, सुशील कुमार को प्रतीक चिन्ह और उपहार देकर सम्मानित किया ।

गिन्नी देवी कॉलेज में संस्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। गिन्नी देवी मोदी गर्ल्स पी.जी. कॉलेज, मोदीनगर में संस्थापना दिवस एवं शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिवत हवन के साथ हुआ। हवन में महाविद्यालय की प्राचार्या एवं संरक्षिका प्रो. पूनम शर्मा सहित समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारियों ने सहभागिता की।

इस अवसर पर प्राचार्या प्रो. पूनम शर्मा ने सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं तथा शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि शिक्षक केवल विद्यार्थियों को ज्ञान प्रदान करने का कार्य नहीं करते, बल्कि उनके व्यक्तित्व निर्माण एवं उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संस्थापना दिवस के अवसर पर महाविद्यालय की गौरवशाली यात्रा, उपलब्धियों एवं शैक्षणिक मूल्यों को स्मरण किया गया। सभी उपस्थित सदस्यों ने महाविद्यालय की निरंतर प्रगति एवं गौरव को बनाए रखने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे। हवन एवं कार्यक्रम का समापन मंगलकामनाओं तथा प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

भाजपा के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी का किया स्वागत

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विनोद त्यागी का कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों द्वारा गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर भाजपा युवा मोर्चा के जिला महामंत्री ललित त्यागी, जिला उपाध्यक्ष शिव अग्रवाल एवं प्रवीण त्यागी 'भूरू प्रधान' ने विनोद त्यागी का पुष्पमाला पहनाकर एवं सम्मानित कर अभिनंदन किया। इस दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं ने नवनियुक्त क्षेत्रीय उपाध्यक्ष को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, संगठनात्मक क्षमता एवं सक्रिय नेतृत्व से पार्टी संगठन को और अधिक मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वरिष्ठ नागरिक संस्था मोदीनगर का तीन वर्षीय चुनाव सर्वसम्मति से संपन्न

रकम सिंह को अध्यक्ष एवं वीरेंद्र गुप्ता को सचिव बनाया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वरिष्ठ नागरिक संस्था की बैठक में नई कार्यकारिणी का तीन वर्षीय चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें रकम सिंह को अध्यक्ष एवं वीरेंद्र गुप्ता को सचिव बनाया गया। संस्था की बैठक संस्था की बैठक रविवार को जिला परिषद मार्केट-पुस्तकालय में हुई। बैठक की अध्यक्षता संस्था के अध्यक्ष रकम सिंह दरोगा ने तथा संचालन महासचिव बृजकिशोर गुप्ता ने किया। बैठक में तीन वर्षीय नई कार्यकारिणी का चुनाव सर्वसम्मति से किया गया। जिसमें रामेश्वर दयाल गुप्ता, रतन सिंह पूनिया, शहाबुद्दीन, सतीश गुप्ता, अशोक कंसल को संरक्षक, रकम सिंह अध्यक्ष, विक्रम पाल यादव उपाध्यक्ष वीरेंद्र गुप्ता सचिव ब्रजकिशोर गुप्ता सह सचिव, अशोक सिरोही कोषाध्यक्ष के अलावा महेंद्र कुमार शर्मा नरेश कुमार शर्मा मुकेश चंद माहेश्वरी एन के ग्रोवर, आसाराम गुप्ता अरुण जैन विनित कौशिक को सदस्य बनाया गया।बैठक में ईश्वर प्रार्थना, हँसो-हँसाओ, वरिष्ठ जनों के अनुभव एवं सुझाव लिए गए। इस मौके पर संस्था के सम्मानित सदस्यों जिनका जन्मदिन सितंबर माह में हुआ संस्थापक व संरक्षक रामेश्वर दयाल गुप्ता, संत प्रसाद प्रेमी,डा० वी०के० बक्शी, विजयपाल सिंघल, डा० हरिदत्त गौतम,जगजीवन जोशी, विजेन्द्र सिंह पँवार का जन्मदिन मनाया गया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाए दी साथ ही ईश्वर से कामना की कि सभी सदस्यगण एवं उनके परिवारजन पूर्ण निरोगी, स्वस्थ एवं आनन्दमय जीवन व्यतीत करें।

शंखनाद रैली में वैश्य समाज मोदीनगर के सदस्यों ने लिया हिस्सा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वैश्य समाज मोदीनगर की टीम ने गाजियाबाद में आयोजित शंखनाद रैली में हिस्सा लिया। जिसमें दिवंगत स्वर्गीय श्याम सुंदर अग्रवाल को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। उनकी याद में उनके सुपुत्र अभिषेक अग्रवाल को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

वैश्य समाज मोदीनगर की तरफ से रैली में अध्यक्ष बृजभूषण बंसल,संयोजक देवराज मित्तल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय सिंघल, कोषाध्यक्ष अश्विनी गुप्ता एवं अनिल गोयल, आशाराम गुप्ता, गजेन्द्र गुप्ता, कृष्ण कुमार गुप्ता, अमिताभ अग्रवाल, नवीन जायसवाल, अभिषेक गोयल, रविंद्र बंसल, योगेंद्र बंसल, मनोज संगी, सुदेश मित्तल, प्रदीप गुप्ता, राहुल गुप्ता, मोहन गुप्ता, गिरीश गोयल, आदि वैश्य बंधु शामिल हुए ।

स्थानीय नेता राजनीति चमकाने के लिए लोगों को बहला-फुसलाकर उनके खिलाफ करा रहे हैं नारेबाजी: डॉ मंजू शिवाच

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। तहसील दिवस के दौरान विधायक मंजू सिवाच के खिलाफ हुई नारेबाजी का मामला अब तूल पकड़ता नजर आ रहा है। मामले में विधायक डॉ. मंजू सिवाच ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। विधायक का कहना है कि हनुमानपुरी के कुछ लोगों और महिलाओं को एक स्थानीय नेता तहसील लेकर पहुंचे थे और वहां उनके खिलाफ नारेबाजी कराई गई।मंजू सिवाच के मुताबिक, हनुमानपुरी के लोगों को रेलवे लाइन पार करके आने-जाने में परेशानी होती है।

इस समस्या को लेकर वह पहले ही एसडीएम को लिखित में अवगत करा चुकी हैं। विधायक ने कहा कि किसी भी कॉलोनी को तभी काटा जाना चाहिए, जब वह अप्रूव्ड हो। हनुमानपुरी समेत कई कॉलोनियों के पार्कों का मुद्दा भी उठाया गया है। मांग है कि अगर इन पार्कों पर मोदी ग्रुप का अधिकार है तो उनका रखरखाव और सौंदर्यीकरण कराया जाए। ऐसा नहीं होने पर पार्कों को नगर पालिका को हस्तांतरित करने की बात कही गई है। वहीं साईं मंदिर के पास स्थित कॉलेज और सिलाई-कढ़ाई केंद्र के जर्जर भवनों को लेकर भी चिंता जताई गई है।

विधायक ने कहा इन भवनों के निरीक्षण के साथ जरूरत पड़ने पर मरम्मत या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की मांग की गई है। सबसे अहम सवाल साईं मंदिर के पीछे विकसित की जा रही कॉलोनी को लेकर उठाया गया है। विधायक ने पत्र भी लिखा हे कि संबंधित जमीन की स्थिति और निर्माण की वैधता की जांच कराने की मांग की गई है। साथ ही बिना अनुमति कॉलोनी विकसित किए जाने की पुष्टि होने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की गई है। कुल मिलाकर पत्र के जरिए मोदीनगर की जमीन, पार्क, जर्जर भवन और कॉलोनी विकास से जुड़े मामलों में प्रशासन से जांच, सत्यापन और जनहित में कार्रवाई की मांग की गई है। वहीं, हनुमानपुरी में रास्ते को लेकर भी स्थिति स्पष्ट करने की जरूरत है कि जमीन रेलवे की है, नगर पालिका में दर्ज है या मोदी इंडस्ट्रीज की जमीन है। विधायक के मुताबिक, खाली ग्राउंड से रास्ते को लेकर भी प्रशासन के सामने पहले ही बात रखी जा चुकी है। उनका आरोप है कि कुछ स्थानीय नेता राजनीति चमकाने के लिए लोगों को बहला-फुसलाकर तहसील लेकर पहुंचे और उनके खिलाफ नारेबाजी कराई।

सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा रुहेला को दी जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा रुहेला को जन्मदिन पर दी शुभकामनाएं । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश माननीय अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य कृष्णा रुहेला को उनके जन्मदिन 7 सितम्बर के अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर अखिलेश यादव ने अपने हाथों से लिखा हुआ शुभकामना पत्र कृष्णा रुहेला जी को भेंट किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा अपने हाथों से लिखकर दी गई यह शुभकामना कृष्णा रुहेला के लिए विशेष सम्मान, स्नेह एवं आत्मीयता का प्रतीक है। कृष्णा रुहेला ने माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनके द्वारा दी गई शुभकामनाएं एवं आशीर्वाद उनके लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे। उन्होंने कहा कि वह समाजवादी विचारधारा, लोकतांत्रिक मूल्यों एवं पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करते रहेंगे।

जाट समाज सेवा संगठन द्वारा निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जाट समाज सेवा संगठन द्वारा निकटवर्ती ग्राम कादराबाद स्थित स्वामी कल्याण देव बालिका विद्यालय के प्रांगण में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। चिकित्सा शिविर का विधिवत उद्घाटन उपजिलाधिकारी मोदीनगर कोमल पंवार एवं नगर पालिका अध्यक्ष विनोद वैशाली द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। शिविर में अपोलो अस्पताल के प्रसिद्ध विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने अपनी सेवाएं दीं।

कैंप में सैकड़ों ग्रामीणों ने अपने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर में ब्लड शुगर, नेत्र रोग, कैंसर स्क्रीनिंग, ब्लड प्रेशर और सर्वाइकल जैसी गंभीर बीमारियों की निशुल्क जांच की गई। संगठन के अध्यक्ष सुभाष सांगवान ने बताया कि संगठन का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना है और भविष्य में भी ऐसे शिविरों का आयोजन किया जाता रहेगा।इस दौरान संगठन के सुभाष सांगवान मनीष चौधरी, मुकेश चौधरी, कुलदीप चौधरी, कुलदीप चौधरी, सुरेंद्र वर्मा, सत्येंद्र तोमर, नाथू प्रधान, दिनेश चौधरी, प्रदीप चौधरी,पंकज पंवार संदीप सांगवान सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण और विद्यालय परिवार मौजूद रहा।

नेहरू नगर में लगा सर्वाइकल कैंसर वैक्सीनेशन कैंप, 9 से 14 वर्ष की 25 बच्चियों को निःशुल्क लगाई गई वैक्सीन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। नेहरू नगर सेकंड-सी, ईएफ ब्लॉक स्थित धर्मार्थ औषधालय शिव मंदिर में आईएमए गाजियाबाद के तत्वावधान में रविवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए वैक्सीनेशन कैंप आयोजित किया गया। शिविर में 9 से 14 वर्ष की आयु वर्ग की 25 बच्चियों को निःशुल्क वैक्सीन लगाई गई। वैक्सीनेशन का कार्य डॉ. अल्पना कंसल एवं डॉ. अरुण ने किया। इस अवसर पर डॉ. नवनीत वर्मा भी मौजूद रहे। चिकित्सकों ने बच्चियों और उनके अभिभावकों को वैक्सीन के महत्व की जानकारी देते हुए समय पर टीकाकरण कराने की अपील की। शिव मंदिर समिति की ओर से के.के. भटनागर, आर.के. वर्मा, इंदू त्यागी एवं संतोष जी उपस्थित रहे। समिति के सदस्यों ने शिविर में सहयोग करते हुए आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर डॉ. अर्चना कंसल ने बच्चों और उनके परिवारों को जागरूक करते हुए कहा कि वे अपने परिचितों और अन्य परिवारों को भी सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए इस वैक्सीनेशन के बारे में बताएं, ताकि अधिक से अधिक बच्चियां इसका लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि समय पर टीकाकरण भविष्य में गंभीर बीमारी से बचाव में सहायक हो सकता है। शिविर के सफल आयोजन पर आयोजकों ने चिकित्सकीय टीम, शिव मंदिर समिति और सभी सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

कनावनी किसानों का ऐलान: मुआवजा नहीं, अब जमीन वापस चाहिए

सुप्रीम कोर्ट की छह माह की समय-सीमा खत्म, 24वें दिन भी जारी रहा धरना

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। ग्राम मोहिउद्दीनपुर कनावनी के किसानों का धरना रविवार को लगातार 24वें दिन भी जारी रहा। धरना स्थल पर आयोजित पंचायत में किसानों ने एकजुट होकर फैसला लिया कि अब वे किसी भी कीमत पर अपनी जमीन प्राधिकरण को नहीं देंगे। किसानों ने कहा कि उन्हें अब मुआवजा नहीं, बल्कि अपनी जमीन वापस चाहिए।

किसानों के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट के आदेश के तहत प्राधिकरण को छह माह के भीतर गांव की भूमि के संबंध में वैध अवार्ड घोषित करना था, लेकिन निर्धारित अवधि बीतने के बावजूद अवार्ड घोषित नहीं किया जा सका। किसानों का आरोप है कि राजस्व अभिलेखों में उनके नाम हटाकर प्राधिकरण का नाम दर्ज कर दिया गया है। उन्होंने जमीन के रिकॉर्ड में किसानों के नाम बहाल कर भूमि वापस करने की मांग की।

किसान मिथन सिंह नागर ने कहा कि समय-सीमा पूरी होने के बाद किसानों ने स्पष्ट निर्णय लिया है कि वे जमीन नहीं देंगे। पंचायत में किसानों ने नारा दिया, 'अब मुआवजा नहीं, जमीन वापस चाहिए।' किसानों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कराने और भूमि पर अपना अधिकार बहाल कराने के लिए उनका शांतिपूर्ण आंदोलन जारी रहेगा। पंचायत में सुखबीर सिंह नागर, जयपाल नागर, कबूल सिंह नागर, चतर सिंह नागर, लखीराम शर्मा, पृथ्वी कसाना, भगवत सिंह नागर, सतीश नागर और परवीन नागर समेत बड़ी संख्या में किसान मौजूद रहे।

विशाल वैश्य शंखनाद में गूंजी एकता की आवाज, सम्मान और सुरक्षा को लेकर हुआ मंथन

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। घंटाघर स्थित रामलीला मैदान में आयोजित विशाल वैश्य शंखनाद कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाजबंधुओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम में वैश्य समाज के सम्मान, सुरक्षा, संगठन और सशक्तिकरण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर सार्थक चर्चा हुई।

इस अवसर पर वी.के. अग्रवाल, डॉ. अनिल अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने समाज की एकजुटता और संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया।

#वक्ताओं ने कहा कि समाज की प्रगति के लिए आपसी सहयोग, जागरूकता और एकता बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में मौजूद समाजबंधुओं का उत्साह और एकजुटता देखने लायक रही।

आयोजकों ने कहा कि ऐसे आयोजनों से समाज के लोगों को एक मंच पर आने और सामूहिक रूप से अपनी आवाज उठाने का अवसर मिलता है। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए आयोजकों ने सभी सहयोगियों एवं उपस्थित सम्मानित वैश्य बंधुओं का आभार व्यक्त किया।

29 अक्टूबर को दिल्ली में दिखेगी गुर्जर समाज की ताकत

तालकटोरा स्टेडियम में जुटेगा महासैलाब

कपिल चौहान

ग्रेटर नोएडा(वेलकम इंडिया)। सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती के अवसर पर 29 अक्टूबर को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में होने वाली गुर्जर स्वाभिमान रैली को लेकर घरबरा गांव में अखिल भारतीय गुर्जर महासभा की महत्वपूर्ण बैठक हुई। बैठक में रैली की तैयारियों और अधिक से अधिक समाज के लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर चर्चा की गई। इस दौरान महासभा के नवनियुक्त युवा प्रदेश अध्यक्ष शशांक भाटी का फूल-मालाओं से स्वागत कर बधाई दी गई। उन्होंने नई जिम्मेदारी के लिए समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों का आभार जताते हुए युवाओं को संगठन से जोड़ने और समाज की एकजुटता मजबूत करने का संकल्प लिया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष हरीश चंद्र नागर, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रविंदर भाटी, जगवीर सिंह पौला, जय प्रकाश विकल, कोषाध्यक्ष राजेंद्र चपराना, प्रदेश अध्यक्ष मनवीर नागर, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष मुकेश भाटी, जिलाध्यक्ष अशोक मावी समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक में 'दिल्ली चलो' का आह्वान करते हुए अधिक संख्या में रैली में पहुंचने की अपील की गई।

फर्जी नंबर प्लेट से दौड़ा रहे थे चोरी की बाइक, दो शातिर गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने वाहन चोरी व छिनैती की घटनाओं में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की पैशन प्रो मोटरसाइकिल बरामद की है। बाइक पर फर्जी नंबर प्लेट लगी हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, रविवार को चेकिंग के दौरान चित्रावन सोसायटी के पास शिव कुमार उर्फ पोला (22) निवासी सैन विहार और शिवम (23) निवासी पुश्ता कॉलोनी, डूब क्षेत्र बिसरख को गिरफ्तार किया गया। बरामद बाइक के इंजन नंबर की जांच करने पर उसके थाना विजयनगर क्षेत्र से चोरी होने की पुष्टि हुई। इस संबंध में विजयनगर थाने में बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मुकदमा दर्ज है।

क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ बरामदगी के मामले में धारा 317(2), 317(5) व 345(3) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर उनके आपराधिक नेटवर्क और अन्य वारदातों की जानकारी जुटा रही है।

नोकझोंक और हंगामे की भेंट चढ़ी गुलमोहर एन्क्लेव की GBM, कोरम के अभाव में बैठक स्थगित

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राकेश मार्ग स्थित गुलमोहर एन्क्लेव सोसायटी की जनरल बोर्ड मीटिंग (GBM) रविवार को तीखी बहस, नोकझोंक और हंगामे के बीच बिना किसी निर्णय के स्थगित हो गई। आवश्यक कोरम पूरा नहीं होने के कारण बैठक आगे नहीं बढ़ सकी। इस दौरान कई निवासियों ने सोसायटी की मौजूदा व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सोसायटी इस समय 'वेंटिलेटर पर' है। बैठक में निवासियों ने दावा किया कि अध्यक्ष विजेंदर गिरी और उपाध्यक्ष सीमा गुप्ता पहले ही इस्तीफा दे चुके हैं। ऐसे में सचिव द्वारा GBM बुलाए जाने के अधिकार को लेकर भी सवाल उठाए गए। निवासी गौरव बंसल ने जिलाधिकारी, पुलिस कमिश्नर और डिप्टी रजिस्ट्रार (फर्म्स, सोसाइटीज एवं चिट्स) को शिकायत देकर बैठक की वैधानिकता पर आपत्ति जताई थी। बैठक के दौरान वोटिंग अधिकार और मीटिंग के नियमों को लेकर भी जमकर विवाद हुआ। कुछ निवासियों ने एक दिन पहले जारी सर्कुलर पर सवाल उठाए, जबकि बोर्ड सदस्यों ने किराएदारों और ब्लड रिलेशन वालों को वोटिंग अधिकार देने संबंधी कथित बदलाव का विरोध किया। एडवोकेट राज किशोर शर्मा और रश्मि चौधरी ने यूपी अपार्टमेंट एक्ट के नियमों का हवाला देते हुए प्रथम स्वामी को वोटिंग अधिकार दिए जाने की बात कही। हंगामे की सूचना पर सिहानी गेट पुलिस, एलआईयू और महिला पुलिस मौके पर मौजूद रही। नासिरपुर चौकी प्रभारी पंकज वर्मा ने पुलिस बल के साथ स्थिति संभाली। अंततः कोरम पूरा न होने पर बैठक स्थगित कर दी गई।

क्रिप्टो निवेश का झांसा देकर 3.5 करोड़ की ठगी, दिल्ली से आरोपी गिरफ्तार

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग और निवेश के नाम पर करीब 3.5 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के मामले में साइबर क्राइम पुलिस ने एक आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान आकाश बंसल निवासी मानसरोवर पार्क, शाहदरा, दिल्ली के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक मुरादनगर निवासी नितिन सिंघल से आरोपी ने क्रिप्टो करेंसी ट्रेडिंग व इन्वेस्टमेंट के नाम पर 3.25 बिटक्वाइन और 29 इथेरियम की कथित ठगी की थी। इन क्रिप्टो करेंसी की कीमत करीब 3.5 करोड़ रुपये बताई गई है। शिकायत के आधार पर थाना साइबर क्राइम कमिश्नरेट गाजियाबाद में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी।

विवेचना के दौरान साइबर क्राइम टीम ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपी की पहचान की और उसे मानसरोवर पार्क थाना क्षेत्र, दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

सनसिटी में सजेगा इतिहास का भव्य मंच, 'जाणता राजा' में जीवंत होगी शिवाजी महाराज की गाथा

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य, राष्ट्रभक्ति और सुशासन की गौरवगाथा को मंच पर जीवंत करने के लिए गाजियाबाद के सनसिटी में विश्व प्रसिद्ध महानाट्य 'जाणता राजा' का आयोजन किया जाएगा। इसे लेकर दिव्य प्रेम सेवा मिशन के संस्थापक एवं अध्यक्ष आशीष गौतम भैया से आयोजन की तैयारियों और व्यवस्थाओं को लेकर चर्चा की गई। 22 से 28 अक्टूबर 2026 तक होने वाले इस भव्य आयोजन में छत्रपति शिवाजी महाराज के जीवन संघर्ष, वीरता, राष्ट्रधर्म और कुशल शासन व्यवस्था को प्रभावशाली मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा। विशाल स्तर पर होने वाला यह महानाट्य दर्शकों को इतिहास के गौरवशाली कालखंड से रूबरू कराएगा। आयोजकों का कहना है कि 'जाणता राजा' के माध्यम से विशेष रूप से युवाओं को भारतीय इतिहास और छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं और इसे यादगार बनाने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

किसानों के हक में भाकियू भानू का बड़ा आंदोलन जल्द, मनोज नागर बने एनसीआर प्रभारी

कपिल चौहान

कूड़ीखेड़ा(वेलकम इंडिया)। भारतीय किसान यूनियन भानू ने संगठन विस्तार के साथ किसानों की समस्याओं को लेकर बड़े आंदोलन का ऐलान किया है। रविवार को कूड़ीखेड़ा गांव में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष ठाकुर भानु प्रताप सिंह और राष्ट्रीय प्रमुख उपाध्यक्ष अजब सिंह कसाना का ग्रामीणों ने जोरदार स्वागत किया। पंचायत को संबोधित करते हुए भानु प्रताप सिंह ने कहा कि किसान और मजदूर के साथ अन्याय किसी भी कीमत पर सहन नहीं किया जाएगा।

कार्यक्रम में मनोज नागर कूड़ीखेड़ा को एनसीआर प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई। अजब सिंह कसाना ने कहा कि जल्द गौतमबुद्ध नगर में बड़ा आंदोलन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष राजकुमार नागर ने आरोप लगाया कि तीनों प्राधिकरण किसानों को जमीन का उचित मुआवजा नहीं दे रहे हैं। संगठन 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर, 10 प्रतिशत आवासीय प्लॉट, बैक लीज और 2013 के कानून को लागू कराने की मांग को लेकर आंदोलन की तैयारी कर रहा है। कार्यक्रम में सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

लोनी तिराहे पर पहुंचे हिंदू रक्षा दल के कार्यकर्ता, पुलिस से बातचीत के बाद लौटे

हनुमान चालीसा पाठ को लेकर रशीद गेट पर बढ़ी सतर्कता, पुलिस से वार्ता के बाद लौटे समर्थक

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। रशीद गेट के पास हनुमान चालीसा पाठ के आह्वान को लेकर रविवार को पुलिस प्रशासन अलर्ट रहा। शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखी।

हिंदू रक्षा दल के अमित प्रजापति करीब 25 से 30 समर्थकों के साथ लोनी तिराहे पहुंचे। वहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों से वार्ता की। पुलिस के अनुसार, बातचीत के बाद संगठन के कार्यकर्ता सहमत होकर वापस लौट गए। क्षेत्र में फिलहाल शांति कायम है और किसी अप्रिय घटना की सूचना नहीं है।

हाजी सलमान की गिरफ्तारी को पांच पुलिस टीमें गठित

वहीं, हाजी सलमान की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने पांच टीमें गठित की हैं। सर्विलांस टीम समेत अन्य टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार जानकारी जुटा रही हैं। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक आरोपी की गिरफ्तारी के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं और मामले में नियमानुसार प्रभावी कार्रवाई की जाएगी।

चोरी की बाइक से मोबाइल झपटने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। क्रॉसिंग रिपब्लिक पुलिस ने चोरी की बाइक से मोबाइल झपटमारी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से फर्जी नंबर प्लेट लगी बाइक बरामद की है। पूछताछ में आरोपियों ने करीब दो माह पहले विजयनगर क्षेत्र से बाइक चोरी करने और इसके बाद सुनसान रास्तों पर मोबाइल झपटमारी करने की बात स्वीकार की है। एसीपी वेव सिटी प्रियाश्री पाल ने बताया कि रविवार देर रात क्रॉसिंग रिपब्लिक थाने में तैनात उपनिरीक्षक असद अली पुलिस टीम के साथ चेकिंग कर रहे थे। रात करीब 12:44 बजे पुलिस टीम चित्रावन सोसाइटी के पास पहुंची। इसी दौरान शांति नगर की ओर से बाइक पर सवार दो युवक आते दिखाई दिए। पुलिस ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो दोनों ने बाइक की रफ्तार बढ़ाकर भागने का प्रयास किया। पुलिसकर्मियों ने पीछा कर चित्रावन सोसाइटी से करीब 300 मीटर आगे दोनों को घेरकर पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान शिव कुमार उर्फ पोला और शिवम के रूप में हुई।